एनसीआर समाचार की ओर से सभी पाठकों को **स्वतंत्रता दिवस** की हार्दिक शुभकामनाएँ

एनसीआर समाचार के साथ जुड़ने एवं सदस्यता के लिए लॉगिन करें www.ncrsamacharlive.in

RNI NO. DELHI/2010/37009

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

इस्माइल खान

वर्ष 11 अंक 47 रविवार 15-21 अगस्त 2021, विक्रम संवत् 2078 श्रावण, शुक्ल पक्ष 5 रुपये प्रति/वार्षिक शुल्क 250 पृष्ठ 12 दिल्ली.NCR का नम्बर 1 साप्ताहिक समाचार-पत्र

जमीन विवाद के एक पक्ष ने लगाया पुलिस पर मारपीट का आरोप, परिजनों ने किया हंगामा

पुलिस ने आरोपों को बताया बेबुनियाद, जमीनी विवाद के दूसरे पक्ष को बुलाया थाने

नई दिल्ली (नदीम अहमद)।
पिछले दिनों संगम विहार के गली नंबर 17 में एक जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच जमीन विवाद का मामला सामने आया है। इस विवाद में एक पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने उनके लड़के को थाने में बुला कर लड़के के साथ बुरी तरह से मारपीट की है और उनके लड़के के शरीर पर गंभीर चोटे आई है। जमीन का मामला यह है कि एक ही जमीन पर दो पक्ष अपना दावा करते है और जमीन में सामान रखने को लेकर अक्सर दोनों पक्ष आपस में लड़ाई–झगड़ा करते है। परिजनों का आरोप है कि इस मामले को सुलझाने के लिए एक पक्ष के युवक को पुलिस ने थाने में बुलाया और युवक को नंगा करके बेरहमी से उसके साथ मार–पीट की गई। परिजनों ने पुलिस पर एक तरफा कार्रवाई करने का गंभीर आरोप लगाया है।

परिजनों ने बताया कि युवक को गभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहा उसका इलाज किया गया। इस घटना के बाद से परिजन थाने में पहुंचे और वहां पर हंगामा शुरू कर दिया। परिवार वालों की यह मांग है कि दोषी पुलिसकर्मी के ऊपर कार्रवाई किया जाए।

इस पूरे मामले पर संगम विहार के थाना अध्यक्ष ने कहा है कि परिजनों का यह आरोप बेबुनियाद है। उन्होंने कहा कि थाने के हर हिस्से में सीसीटीवी कैमेरा लगा हुआ है और हमने परिजनों को सीसीटीवी का फुटेज दिखा चुके है। ऐसी कोई घटना थाने में नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि इस पुरे मामले का विवाद जल्द ही सुलझा दिया जायेगा।

थाना अध्यक्ष ने बताया कि जमीन पर दावा करने वाले दूसरे पक्ष को बुलाया गया है उसके आने के बाद इस पूरे विवाद को जल्द से जल्द खत्म कर दिया जायेगा।

दूसरी तरफ परिजन दिल्ली पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते रहे उनकी यही मांग थी की दोषी पुलिस वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उच्च अधिकारीयों ने कार्रवाई करते हुए दो पुलिस वालों को लाईन हाजिर कर दिया गया है।

केजरीवाल ने जड़ा परिवहन विभाग में ताला, जनता से ऑन लाईन फार्म भरने की अपील

लाईसेंस बनवाने के लिए अब नहीं लगाने होंगे ऑफिसों के चक्कर

नई दिल्ली (नदीम अहमद)।
पिछले दिनों दिल्ली सरकार ने आम जनता को राहत देते हुए बड़ा फैसला किया है। लर्निंग लाइसेंस बनवाने, गाड़ी का रजिस्ट्रेशन करने या परिवहन विभाग के किसी भी काम को करने के लिए अब कार्यालय नहीं जाना पड़ेगा।

दिल्ली सरकार ने परिवहन विभाग को बंद करते हुए आम जनता से ये अपील की है कि परिवहन विभाग से जुड़ा कोई भी काम घर बैठे ऑनलाइन कीजिये।

परिवहन विभाग के इस दफ़्तर पर ताला लगाकर इसकी फ़ेसलेस सेवाओं की शुरुआत की। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने परिवहन विभाग के कार्यालय को बंद करते हुए कहा कि, आम जनता को अब ऑफिस का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा इससे आम जनता की समय की बचत होगी। अब आपको दफ्तरों में जाकर वहां लाइनों में लगने की ज़रुरत नहीं है। लर्निंग लाइसेंस से लेकर गाड़ी के रजिस्ट्रेशन सर्टिफ़िकेट बनवाने जैसे परिवहन विभाग के सभी काम अब आप घर बैठे ऑनलाइन करवा पाएंगे।

दिनेश मोहनिया ने दी खुली चुनौती, काम के नाम पर एमसीडी चुनाव लड़े भाजपा-कांग्रेस

अफवाहों पर ध्यान न दें, संगम विहार का एक भी घर नहीं टूटेगा-मोहनिया

नई दिल्ली (नदीम अहमद)।
पिछले दिनों संगम विहार के विधायक दिनेश मोहनिया से हुई एक वार्ता के दौरान उन्होंने संगम विहार की समस्याओं और मास्टर प्लान 2041 और संगम विहार के टूटने वाले तमाम सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि संगम विहार के लोगों को किसी भी बात से घबराने की जरुरत नहीं है। संगम विहार का एक भी घर नहीं टूटगा और ना ही किसी को विस्थापित होना पड़ेगा। विधायक दिनेश मोहनिया ने कहा कि यह सब विपक्ष की चाल है। विपक्षी दलों के पास कोई काम नहीं है इसलिए विपक्षी दलों के लोग क्षेत्र के लोगों में डर फैला रहे है।

बातचीत के दौरान दिनेश मोहनिया विपक्षी दलों पर भी जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि मैं चुनौती देता हूँ– विपक्षी दल काम के नाम पर चुनाव लड़कर देखे, क्षेत्र की जनता बता देगी कि आप पार्टी ने कितना काम किया है। विपक्षी दलों के एक–एक सवाल का दिनेश मोहनिया ने जवाब दिया। उनके क्षेत्र से गायब रखने के सवाल पर विधायक ने कहा कि मैं हमेशा क्षेत्र की जनता के समक्ष उपस्थित हूँ।

उन्होंने कहा कि मेरी अनुपस्थिति में संगम विहार क्षेत्र में विकास की रफ़्तार कम नहीं होती है। जनसमस्याओं का निराकरण समय पर होता है। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में एमसीडी से भाजपा को दिल्ली की जनता बाहर करेगी और आम आदमी पार्टी और तेज़ी से क्षेत्र का विकास कर सकेगी। क्षेत्र में पानी की समस्या पर विधायक दिनेश मोहनिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी पूरा प्रयास कर रही है, हम जल्द ही संगम विहार से पानी की समस्या को खत्म कर देंगे। विधायक दिनेश मोहनिया ने कहा मैं संगम विहार के लोगों से अपील करता हूँ की आप अफवाहों पर ध्यान ना दें संगम विहार का एक भी घर नहीं टूटेगा।

संगम विहार में विवाहिता की मृत्यु, लड़की के परिजनों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

पुलिस ने किया मामला दर्ज, पति गिरफ्तार

नई दिल्ली (एनसीआर समाचार)।
पिछले दिनों संगम विहार निवासी विवाहिता की उसके पति व पति के परिवार वालों ने हत्या कर दी। लड़की के परिजनों का आरोप है कि ससुराल पक्ष लड़की के साथ रोज मार–पीट करता था। तथा उससे दहेज़ की मांग किया करता था।

लड़की के परिजनों ने आरोप लगाया कि रात को करीब एक बजे लड़की के पति ने फ़ोन करके बताया की उनकी बेटी की मौत हो चुकी है। उसके बाद परिजन लड़की के घर पहुंचे तो उन्होंने लड़की को मृत पाया। परिवार वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

लड़की के पिता ने संवाददाता को बताया कि हमारी बच्ची के साथ ससुराल के सभी सदस्य मारपीट करते थे और हम से दहेज़ की मांग करते थे। लड़की के परिजनों ने इस निमित्त थाने में केस दर्ज कराया। परिवार वालों का आरोप है कि पुलिस ने लड़का पक्ष से पैसा ले लिया है और हमारा केस दर्ज नहीं कर रही है। परिजनों के द्वारा काफी पुलिस थाने पर काफी देर हंगामा और प्रदर्शन करने के

शेष पृष्ठ 2 पर....

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

पिपरी पोटला गांव में चीते का आतंक, वन-विभाग की टीम तैनात

हमले में पालतू जानवर घायल

पिपरी पोटला (नूर मोहम्मद शेख)।
पिछले दिनों पिपरी पोटला वन क्षेत्र में एक चीता रिहायशी इलाके में आ गया। जिसने कुछ पालतू पशुओं को निशाना बनाया। लेकिन जल्द ही ग्रामीणों की निगाह में आ जाने के कारण कोई बड़ा हादसा होने से टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रात को बकरी पर हमला कर चीता पेड़ पर चढ़ गया। ग्रामीणों के शोर करने पर घबराकर जंगल की तरफ भाग गया। चीता ज्यादा दूर ना जा कर पास ही में सागवान के पेड़ पर चढ़ गया।

पिपरी पोटला वन कर्मी पहुंचे घटनास्थल पर वन कर्मियों ने मौके का मुआयना किया। उज्जैन की रेस्क्यू टीम भी जल्दी पहुंचेगी पोटला, किसी भी जनहानि की खबर नहीं है। हालांकि चीते ने एक बकरी को घायल कर दिया है। ग्रामीण चीते को देख कर घबरा गए और शोर मचाने लगे। संभवतः लोगों के शोर मचाने से चिता परेशान हो कर पेड़ पर चढ़ गया।

सुबह जब सागवान के पेड़ पर ग्रामीण जनों की नजर पड़ी तो वह सागवान के वृक्ष पर बैठा नजर आया। फॉरेस्ट विभाग के लोग पेड़ के पास मौजूद है और चीते को रेस्क्यू कर के जंगल में छोड़ने की तैयारी चल रही है। उज्जैन से वन विभाग की एक टीम चीते को रेस्क्यू करने के लिए आ रही है। चीते को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ लग गई थी।

स्वर्गीय राहत इंदौरी की पहली बरसी के मौके पर इंदौर में आयोजित किया गया राहत उत्सव

'राहत उत्सव' के नाम से हर साल दो दिनों तक मनाने का लिया गया निर्णय

इंदौर (नूर मोहम्मद)।
पिछले दिनों राहत इंदौरी के पहली बरसी के मौके पर इंदौर के प्रेमबन्धन गार्डन में शाम–ए–कलन्दर के नाम से एक जलसा आयोजित किया गया। जिसमें शहर की नामचीन हस्तियों के अलावा शहर के शायर भी मौजूद थे। इस अवसर पर वहां उपस्थित गणमान्य लोगों ने हर साल उनकी बरसी के अवसर को राहत फेस्टिवल के नाम मनाने का निर्णय लिया गया।

बीती 11 अगस्त 2021 को सिर्फ राहत इंदौरी साहब की पहली बरसी ही नही थी बल्कि अदब के मंच के वीरान होने को भी एक साल हो चुका है। बल्कि जदीद शायरी की तंगदस्ती को भी एक साल हो चुका है। बल्कि अजब अंदाज़े बयां को सुस्त हुए भी एक साल हो चुका है। बल्कि वो लफ़्ज़ जो सिर्फ राहत साहब के अशआर का हिस्सा रहे अपने आंसू सूखा चुके है।

पिछले साल अदब ने सिर्फ राहत ही नही खोया बल्कि बहुत कुछ खोया है। जिसका अहसास हर बढ़ते साल शायरी के दीवानो को शिद्दत से महसूस होगा क्योंकि फिलहाल तो कोई भी उस फन तक पहुंचता नही दिख रहा।

खैर राहत साहब की पहली बरसी पर प्रेम बंधन गार्डन में एक जलसा शाम–ए–कलंदर नाम से मुनअक़िद किया गया है। जिसमें शहर के तमाम सुखनवाज़ मौजूद थे। तय पाया कि हर साल राहत साहब की सालगिरह पर एक ऐसा उत्सव, एक ऐसा जश्न मनाया जाए जो उनके कद के मुक़ाबिल हो और उसको राहत फेस्टिवल का नाम दिया गया।

इस उत्सव में वो सब कुछ होगा जिसके मुंतज़िर शहर की उत्सव प्रेमी अवाम अरसे से है। इस फेस्टिवल में यूथ मुशायरा, वीमेन मुशायरा, बैतबाज़ी, किस्सागोई, डिबेट, टॉक शो, पेंटिंग एंड हस्तकला लेखन प्रदर्शनी, सूफ़ी कॉन्सर्ट और ग्रैंड मुशायरा व कवि सम्मेलन शामिल है। ये उत्सव दो दिनों तक चलेगा जिसमे साहित्य, कला, मौसिकी, बाते, शायरी और क़दीम अदबी रिवायतों का बुफ़े सजेगा। जो शहर की अदबी भूख को सेराब करने के लिए काफी है। साथ ही इस फेस्टिवल में राहत–ए–अदब और निशान–ए–राहत जैसे अदबी खिताब भी हक़दारों को दिये जाएगे जिसमे एक लाख रु नगद भी शामिल है जो राहत साहब फाउंडेशन अपनी तरफ से देगा।

कुल मिलाकर 1 और 2 जनवरी 2022 शहर के लिए अदबी गुलदस्ता लेकर आ रहा है जिसका सभी को बेसब्री से इंतज़ार है और होना भी चाहिए। आखिर जिस शख्स ने अपने तखल्लुस में ही शहर का नाम जोड़ लिया हो और उस नाम को पूरी दुनिया मे बुलंद कर दिया हो तब उस शहर की भी तो कुछ ज़िम्मेदारी बनती है ना और वैसे भी अपना शहर इंदौर अपने कलाकारों को उनका हक़ देना बहुत अच्छे से जानता है।

मालगाड़ी के सामने कूदकर युवती ने की आत्महत्या

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

गोंडा (मोहम्मद वाहिद) ।
पिछले दिनों लखनऊ गोंडा रेल प्रखंड पर जरवल रोड़ चीनी मिल के सामने रेलवे गेट पर युवती ने ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या कर ली।

बताया जाता है कि जरवल रोड़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत चीनी मिल जाने वाले रेलवे गेट संख्या 295ए के निकट 28 वर्षीय आशा देवी मंदबुद्धि पत्नी मनोज यादव निवासी ग्राम बंभौरा मजरा बरूहा जरवल रोड़ गोंडा की और से डी सी एम मालगाड़ी बुढ़वल स्टेशन की तरफ जाने वाली ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी।

गेटमैन धर्मवीर ने बताया कि लाइन नंबर दो पर मालगाड़ी आ रही थी तभी गेट के पास जो महिला खड़ी थी उसने ट्रेन नजदीक आते ही इंजन के आगे लाइन पर कूद कर जान दे दी।

मौके पर स्थानीय पुलिस उपनिरीक्षक कैलाश नाथ चंद्रशेखर, सिपाही विजय यादव, महिला कांस्टेबल कंचन चौधरी, अश्वनी पाठक ने पहुंचकर रेलवे लाइन से शव को हटवाये जाने के बाद ट्रेनों का 45 मिनट के बाद आवागमन बहाल हुआ।

जरवल रोड़ पुलिस स्टेशन अधीक्षक की सूचना पर जीआरपी गोंडा को बुलाया गया है उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गोंडा भेजा जाएगा।

संगम विहार में विवाहिता की मृत्यु...

पृष्ठ 1 का शेष...

बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया और पति को किया गिरफ्तार।

इन्साफ की गुहार लगाने थाने पहुंचा लड़की पक्ष बेबस नजर आया। माता–पिता अपनी बेटी को इन्साफ दिलाने के लिए थाने की चौखट पर धरना देते रहे। काफी देर के बात पुलिस वालों ने यह पूरा मामला दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार किया।

देश में एक ओर जहां बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा सरकार की तरफ से दिया गया है तो वहीं देश की राजधानी में एक बेटी को दहेज़ लोभियों के द्वारा मार दिया जाता है।

देश के अंदर दहेज़ रूपी राक्षस अपने पैर पसार चुके है। आए दिन ऐसी ख़बरें सामने आ रही है। देश में दहेज़ लोभियों और ऐसे हत्या के मामले में कड़ी सजा का प्रावधान करने की जरुरत है।

पुलिस की कार्रवाई को भी सुदृढ़ करने की जरुरत है ताकि बेबस माँ–बाप को इन्साफ के लिए दर–दर ना भटकना पड़े।

बिहार के सात सांसदों ने संयुक्त रूप से केन्द्रीय मंत्री गिरीराज सिंह को सड़कों के उन्नयन हेतु सौंपा पत्र

बाढ़ के कारण ग्रामीण पथों के सुदृढ़ीकरण व विकास के लिए अधिक आर्थिक मदद की अपील

नई दिल्ली (रवि शंकर)।
पिछले दिनों प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना–3 के अंतर्गत बिहार में ग्रामीण पथों के उन्नयन और सुदृढ़ीकरण तथा चौड़ीकरण में केंद्र सरकार द्वारा अधिक मदद देने का आग्रह करते हुए बिहार के सात सांसदों ने संयुक्त रूप से एकत्रित होकर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह से दिल्ली में मुलाकात कर उन्हें पत्र सौंपा।

प्रतिवर्ष बिहार में आनेवाली बाढ़ से न केवल जन–जीवन अपितु सड़क व परिवहन बहुत अधिक प्रभावित होता है। बाढ़ के समाप्त होन जाने के उपरांत भी कमोबेश सड़क परिवहन की स्थितियों में सुधार होते–होते काफी समय लग जाता है। जिसके कारण क्षेत्रवासियों को एक लम्बे समय तक बाढ़ की विभिषिका झेलनी पड़ती है। इसी कारण बिहार के सात सांसदों द्वारा केन्द्रीय मंत्री गिरीराज सिंह से दिल्ली में मुलाकात कर उन्होंने पत्र के माध्यम से ग्रामीण मार्गों के विकास, सुदृढ़ीकरण व चौड़ीकरण के लिए मदद का आग्रह किया है।

इस अवसर पर सातों सांसददिनेश चन्द्र यादव, मधेपुरा, रामप्रीत मंडल, झंझारपुर, विजय कुमार मांझी, गया, चन्देश्वर प्रसाद, जहानाबाद, दुलालचंद गोस्वामी, कटिहार, सुनील कुमार, बाल्मीकिनगर, संजय जायसवाल, बेतिया के सांसद मौजूद थे।

इस मौके पर सांसदों की ओर से केंद्रीय मंत्री से बिहार को ज्यादा आर्थिक मदद देने की अपील की गई है। आपको बता दें की बिहार में बाढ़ से बड़ी–बड़ी सड़के टूट जाती है जिससे बिहार सरकार को हर साल अरबों रूपए का नुक्सान होता है।

आर्यावर्त बैंक के सर्वर में आई दिक्कतों से परेशान ग्रामीण व किसान खाता धारक

पूरा दिन लाईनों में धक्के खाने के बाद मिलता है आश्वासन

हरदोई (शाहवाज हुसैन खान)।

पिछले दिनों हरदोई टोडरपुर ब्लॉक में स्थित आर्यवर्त ग्रामीण बैंक शाखा में सरवर ख़राब होने के कारण बहुत से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आम जनता से लेकर सभी किसान शाखा प्रबंधक के आश्वासन के बाद भी कोई सुनवाई नहीं। सप्ताह भर से अधिक दिन हो जाने पर भी सिर्फ़ बैंक के चक्कर काट रहे हैं। पूरे दिन लाइन में खड़े होकर शाम को वापस अपने घर चले जाते है। सबसे ज्यादा दिक्कत कृषि कार्य करने वाले लोगों को हो रही है।

बता दे इस क्षेत्र में स्थित यह एक ही बैंक है जिसमें तीस हजार से ज्यादा लोग खाताधारक है, शाखा प्रबंधक सिर्फ़ आज कल करके आश्वासन देकर जनता से किनारा कर रहे हैं।

राष्ट्रीय गौशाला समिति ने घायल नंदी का इलाज कर गौशाला भेजा

जालोर (जोगाराम मैन्सन)।

पिछले दिनों राष्ट्रीय गौरक्षा समिति कामधेनु सेना संगठन के राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष जोगाराम मैन्सन को सूचना मिली की बिशनगढ़ आर पी ग्रेनाइट के पास एक नंदी को किसी अज्ञात व्यक्ति ने कुल्हाड़ी घायल कर दिया है। मैन्सन तुरंत सुचना स्थल पर पहुंचे और एम्बुलेंस बुलाकर गौ–माता को इलाज हेतु नजदीकी गौशाला भेजा गया है। इस मौके पर, राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, केशरभाई मैन्सन, शंभुसिंह पडियार, जालोर जिला कार्यालय प्रमुख विजय सिंह राव, नरसाणा ग्राम प्रचार प्रमुख जेसाभारती गोस्वामी, एम्बुलेंस चालक मनिषभाई देवासी, थानाराम प्रजापत सहित अन्य गौभक्त एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

पाली सर्राफा व्यापारी लूट काण्ड के दो आरोपी गिरफ्तार, इनाम घोषित कर अन्य की तलाश जारी

हरदोई (शाहवाज हुसैन खान)।

पिछले दिनों हरदोई कस्बा पाली में शाम के समय को सर्राफा व्यवसाई से हुई लूट को थाना प्रभारी निरीक्षक पाली ने मुखबिर की सूचना पर टीमें गठित कर 2 लुटेरों को पकड़ने में सफलता पाई। जिनके पास से लूटा गया बैग करीब एक लाख रुपए तक के आभूषण बरामद किए गए लूट की इस घटना को अंजाम देने वाले अपराधी सेहरामऊ व जलालाबाद क्षेत्र के पकड़े गए है। पुलिस ने बताया की, लुटेरे बृजेश पासी और बसन्त यादव ने बताया कि वह पहले रेकी करते है।

उसके बाद घटना को अंजाम देते हैं इस शातिर गैंग के तीन लुटेरे फरार हैं। यह लोग नए लोगो को शामिल कर अपनी टीम बनाते हैं। उपयोग में लाई गई कार व अवैध शस्त्र कारतूस सहित बरामद हुए। पाली पुलिस प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बाकी अपराधियो पर इनाम की राशि घोषित कर तलाश की जा रही है।

नेताओं के आश्वासनों के बावजूद भी नहीं हो सका बरेली के जर्जर स्टेडियम का पुनर्निर्माण

अनदेखी और उदासीनता के चलते खेल और खिलाड़ी दोनों प्रभावित

बरेली (सईद फराज अली)।

पिछले दिनों टोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के अभिन्न, शरद और विवेक सागर जब एयर इंडिया के विमान से भोपाल पहुंचे तो उनके स्वागत में प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनके स्वागत के लिए पलक पावड़े बिछा दिए और पुरस्कारों की उनके लिए झड़ी लगा दी।

हॉकी के इन खिलाड़ियों ने पूरे प्रदेश का नाम रौशन किया है, खेल प्रतिभाओं की कमी प्रदेश में नहीं है। बस हुनर सिखाने वाला होना चाहिए जिसके लिए कोच और स्टेडियम का होना आवश्यक है। रायसेन जिले की तहसील बरेली में भी स्टेडियम निर्माण की हर वर्ष मांग की जाती है लेकिन स्टेडियम खिलाड़ियों के नसीब में नहीं है।

मंत्री से लेकर सांसद और विधायक के अलावा जनप्रतिनिधियों ने भी हर वर्ष जब हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन होता है, तब हॉकी मैदान से आश्वासन दिया जाता है कि शीघ्र ही स्टेडियम का निर्माण बरेली में होगा लेकिन यह कारनामा खिलाड़ियों के हित में बीते कई सालों में यहां पर नहीं हो सका।

बरेली हायर सेकेंडरी स्कूल का मैदान जिसे हर वर्ष हॉकी प्रतियोगिता के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसी मैदान पर 3 वर्ष पहले नगर परिषद के माध्यम से पूर्व जनप्रतिनिधियों ने दर्शकों के बैठने के लिए चबूतरे निर्मित किया गया था और उनके ऊपर चमकीले पत्थर लगवाए गए थे साथ ही दो टीन सेट मैदान के चबूतरो के ऊपर निर्मित करवाएं। 50 लाख से ऊपर नगर परिषद के माध्यम से खर्च किए गए लेकिन मैदान का सौंदर्य करण नहीं हो सका। वर्तमान में मैदान की दशा इतनी खराब है कि वहां से आवागमन करने वाले लोग इस मैदान से नहीं निकल पा रहे हैं। जगह–जगह से चबूतरे धराशाई हो रहे हैं तो दर्शकों के लिए बैठने के लिए की गई थी व्यवस्था भी जर्जर हो चुकी है।

बस्ती का कचरा इस मैदान के अंदर फेंका जा रहा है। बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर करने वालों ने मैदान के अंदर कब्जा किया हुआ है। सुबह से शाम तक ट्रैक्टर मैदान में खड़े रहते हैं। बरेली में हॉकी की 10 टीमें यहां पर मौजूद है लेकिन वह प्रैक्टिस नहीं कर पा रही है क्योंकि उनके लिए ना स्टेडियम हैं और ना मैदान और ना ही कोचिंग सेंटर बस हर वर्ष यहां हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें प्रदेश और अन्य प्रदेशों के खिलाड़ी आकर अपना हुनर यहां पर दिखाते हैं। दुर्भाग्य है हॉकी खिलाड़ियों का कि उनके लिए ना मैदान और ना कोचिंग सेंटर फिर भी हर वर्ष यहां हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन होता है।

आम आदमी पार्टी बिगाड़ सकती है जीत का समीकरण, क्या भाजपा को जिताने की है तैयारी

छोटे दल निभा सकते है फेरबदल की बड़ी भूमिका

नई दिल्ली (एनसीआर समाचार)।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव जल्द होने वाले है, सभी पार्टियां चाहती है की वो गठबंधन के साथ जाएँ मगर उन्हें सीट और जीतने के बाद सरकार में बराबर की हिस्सेदारी मिले।

ऐसे में आप पार्टी भी अपना मन बना रही है की उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ा जाए। अगर जीत गए तो सही है वरना हार तो पंजाब में भी मिली थी।

एक तरफ पूरे देश की राजनैतिक पार्टियां गठबंधन का विचार बना रही है तो वही दूसरी तरफ ए.आई.एम.आई.एम और आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के मैदान में उतरकर खेल बिगाड़ सकती है। इससे कांग्रेस, सपा, और बसपा का वोट कटेगा और बीजेपी को फिर से बहुमत मिल सकता है। बसपा का वोट पहले ही भीम आर्मी को जाता दिखाई दे रहा है, मगर पार्टियों को उससे फर्क नहीं पड़ता, हर पार्टी चाहती है की कुछ ना कुछ सीटें उसके हाथ भी आ जाए।

लगभग हर पार्टी का नेता कह चुका है की संविधान खतरे में है बीजेपी संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही है। वही बीजेपी इस बात को नकारती आ रही है। 2022 के चुनाव बीजेपी के लिए बहुत अहम है, अगर बीजेपी को चुनाव में हार मिलती है तो आने वाले हर राज्य के चुनावों में बीजेपी को नुकसान हो सकता है।

ऐसे में भाजपा भी यूपी के छोटे–छोटे दलों के साथ गठबंधन करना शुरू कर दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह पिछले दिनों ओम प्रकाश राजभर से मिले थे, कयास ये लगाये जा रहे है कि ओम प्रकाश राजभर भाजपा के साथ गठबंधन कर सकते है। उधर ओम प्रकाश राजभर यूपी के अलग–अलग राजनीतिक दलों से मिल कर सीटों और अपनी मांगों को लेकर मोल भाव कर रहे हैं।

ऐसे में ये माना जा सकता है की यूपी चुनाव में छोटे दल बड़ी भूमिका निभा सकते है।

फसल खराब होने के कारण मुआवजा न मिलने से परेशान किसानों ने दिया ज्ञापन

मुख्यमंत्री व राज्यमंत्री के नाम से सौपा गया ज्ञापन

शाजापुर (प्रतीक देशमुख)।
पिछले दिनों कालापीपल तहसील के ग्राम बमुलिया और टिलिया खेड़ी के किसानों ने सोयाबीन बांझ होने पर एवं फसल बीमा के सर्वे के लिए तहसीलदार एवं विधायक चौधरी एवं जिला पंचायत सदस्य नवीन शिंदे को ज्ञापन मुख्यमंत्री एवं राज्य मंत्री के नाम सौंपा।

वहां उपस्थित किसानों ने बताया कि आए दिन किसानों के ऊपर मुसीबतें खड़ी ही रहती है। इन दिनों एक कुदरती मुसीबत किसानों के साथ और सामने आई है।

जो भी किसान खेत में सोयाबीन उगाता है वही सोयाबीन उगने के बाद किसान की सोयाबीन की फसल बांज हो जाती है तो किसान के चेहरे पर मायूशी छा जाती है।

ऐसा ही एक मामला कालापीपल तहसील के बमुलिया पंचायत का है जहां पर किसानों ने सोयाबीन बांज एवं फसल मुआवजा न मिलने से परेशान होकर मुख्यमंत्री एवं राज्य मंत्री के नाम तहसील कार्यालय, विधायक कुणाल चौधरी एवं जिला पंचायत सदस्य नवीन शिंदे को ज्ञापन सौंपा गया है।

सैदाबाद के दमदमा घाट पर सपा नेता डा. सुरेश चन्द मौर्य ने किया बाढ़ पीड़ितों में राशन व जरूरी सामान वितरण

भाजपा को जमकर कोसते हुए सपा कार्यकर्ताओं के जनहित कार्यों को सराहा

प्रयागराज (राम नारायण पाल)।
पिछले दिनों समाजवादी पार्टी के नेता डॉ सुरेश चंद्र मौर्य प्रयागराज के सैदाबाद में दुमदुमा घाट पहुँचकर बाढ़ पीड़ितो की मदद की। इस अवसर पर उन्होने राशन किट के साथ साथ तेल साबुन नित्योपयोगी वस्तुओं का वितरण किया। इस मौके पर उन्होने सत्ताधारी पार्टी पर भी जमकर हमला बोला।

उन्होने आरोप लगाते हुए कहा कि कोरोना ग्रस्त क्षेत्र हो या बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र सभी क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी जनता की मदद करने में असमर्थ रही है। उन्होने कहा समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता हो या बड़े नेता सभी ने जनता के घर–घर जाकर लोगो की मदद पहुँचाने का काम किया है।

डॉ सुरेश चंद्र मोर्या ने कहा कि कोरोना काल में भी जब लोगो को पानी नही मिल रहा था, साधन नहीं मिल रहा था। तब हम लोगो ने वोट बैंक कि राजनीति से परे होकर आम जनता कि सुविधाओ का ख्याल रखकर उनकी मदद पहुंचाई।

उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि महँगाई को चरम सीमा पर पहुंचाकर जनता के पैसों से ही भारतीय जनता पार्टी अपनी सरकार चला रही है।

इस मौके पर समाजवादी पार्टी के युवा नेता आर.बी.पाल, रिशु यादव, मालाजीत सरोज, सुरज यादव, राजु पाल आदि गणमान्य लोग मौजूद थे।

उद्धार फाउंडेशन द्वारा विचाराधीन कैदी के साथ पीड़िता का करवाया गया विवाह

अधिवक्ता के माध्यम से करवाया गया सुलहनामा

कटक (दुर्गेश नन्दन महापात्रा)।
पिछले दिनों कटक जिला चौद्वार मंडल कारागार में तीसरी बार हिन्दू परम्परा के अनुसार आरोपी दूल्हा और पीड़िता कन्या की विवाह कार्यक्रम जेल सभा कक्ष में आयोजित किया गया।

यह विवाह अतिरिक्त न्यायधीश के निर्देश पर किया गया। यह कार्यक्रम मंडल कारागार के वरिष्ठ अधिक्षक, जेलर, वेलफेयर अधिकारी, जेल कर्मचारी व उद्धार फॉउंडेशन के कार्यकर्ता के मौजूदगी में विचाराधीन कैदी अंशुमान मालिक व पीड़िता चिन्मयी सेठी का विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस विवाह समरोह में दोनों पक्ष के मातापिता, रिश्तेदार व दोस्त उपस्थित थे। इस विवाह को यादगार बनाने के लिए स्मृति स्वरूप नव दम्पति के हाथों जेल परिसर में वृक्षरोपण किया गया।

अधिवक्ता के जरिये दोनों पक्षों के राजीनामा की घोषणा की गयी। संगठन की और से दावत का इंतजाम भी किया गया था। इस अवसर पर कारागार के अध्यक्ष सत्यप्रकाश स्वइन, जेलर विभिन्दु भूयां, वेलफेयर अधिकारी रामकृष्ण दास, मायाधर सेठी, उद्धार फॉउंडेशन संगठन के अध्यक्ष नरोत्तम दास प्रमुख उपस्थित थे।

यहाँ पर हम आपको बता दें की उद्धार फॉउंडेशन संगठन ओडिशा के विशिष्ठ समाज सेवा संगठन है। जो विभिन्न जिले में ऐसे समाज सुधारक कार्यक्रम आयोजित कर रहे है और उदाहरण बनाकर समाज में उत्तम वार्ता रख रहे है।

कलयुगी पति ने अपने परिवारजनों के साथ मिलकर विवाहिता पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला

मृतका पांच बच्चों की मां थी, न्याय की आस में परिजन

फर्रूखाबाद (सर्जन कश्यप)।
पिछले दिनों कलयुगी पति ने अपनी पत्नी को पीट–पीट कर मार डाला। मृतका का नाम संतोषी व उसके पति का नाम निरंजन बताया जा रहा है। वे ग्राम हयातनगर, छिबरामऊ के निवासी थे। मृतका संतोषी 5 बच्चों की मां थी।

सूत्रों के अनुसार शहर के ग्राम भोपपट्टीमें रहने वाली सुनीता पत्नी स्वर्गीय बाबूराम ने अपनी पुत्री संतोषी का विवाह करीब 20 वर्ष पूर्व निरंजन पुत्र मान सिंह निवासी ग्राम हयातनगर थाना छिबरामऊ जनपद कन्नौज के साथ विवाह किया था।

विवाह के कुछ समय पश्चात से ही निरंजन के संबंध अन्य औरतों के साथ हो गए थे जब पत्नी संतोषी इस बात पर विरोध करती थी तो उसके साथ मारपीट की जाती थी और ससुराल वाले संतोषी को भूखा प्यासा रखते थे।

सूत्रों के अनुसार संतोषी किसी तरह मजदूरी कर अपने 5 बच्चों का पालन पोषण कर अपना जीवन व्यतीत करती थी लेकिन ससुराल जन आये दिन उसके साथ मारपीट करते थे और कहते थे मेरे घर से निकल जाओ अब हमें तुम्हारी कोई जरूरत नहीं है। अगर घर से नहीं निकली तो हम लोग तुम्हें जान से मार देंगे, संतोषी ने यही बात अपनी मां को बताई थी।

इस संबंध में संतोषी की मां ने ने अपने दामाद व उसके परिजनों को बातचीत के माध्यम से समझाने का प्रयास किया किंतु वे लोग नहीं माने और संतोषी के साथ उनका मारपीट करना व प्रताड़ना बराबर जारी रही।

मंगलवार को लगभग सात बजे उपरोक्त सभी लोग निरंजन, धर्मपाल, अवधेश, गंगा देवी ब मानसिंह ने एक होकर संतोषी को मार–मार कर मौत के घाट उतार दिया। इस घटना को संतोषी के पुत्र लाखा तथा कई लोगों ने अपनी आंखों से देखा और और तुरंत संतोषी की मां व उसकी अन्य पुत्री दुर्गा को सूचना दी।

जब संतोषी की मां घटनास्थल पर पहुंची तो संतोषी मृत पड़ी हुई थी। उपरोक्त मुलजिम हत्या के बाद घटनास्थल से फरार हो गए थे। सुनीता पत्नी स्वर्गीय बाबू राम ने रिपोर्ट लिखाकर दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। रिपोर्ट लिखे जाने तक दोषी पुलिस की पकड़ से दूर हैं।

विशालकाय आम के पेड़ की चपेट में आकर दो घरों को हुआ भारी नुकसान

ग्राम प्रधान ने किया हरसंभव मदद का वायदा

प्रयागराज (भरतदास)।

पिछले दिनों गुरुवार को मेजा ब्लॉक के अंतर्गत बुनाई गांव में विशालकाय आम का पेड़ गिरने से दो घरों का भारी नुकसान हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अवध नारायण कुशवाहा वंश लाल पाल के घर रात के समय भोर के आसपास विशालकाय आम का पेड़ गिर गया जिससे दोनों घरों को भारी नुकसान हुआ है। मौके पर पहुंचे गुनाई गांव के प्रधान पंकज राव पीड़ित परिवारों से मिले और उन्हें हर संभव मदद करने के लिए कहा।

बिजली विभाग की लापरवाही व खुले में रखे ट्रांसफार्मर से हो रही दुर्घटनाएं, परेशान लोग

मासूम घायल, जान व आंख जाते-जाते बची

हरदोई (शाहवाज हुसैन खान)।

पिछले दिनों हरदोई जनपद के बिजली विभाग के अधिकारियों की घोर लापरवाहियां रोज़ सामने आ जाती हैं, ऐसे ही एक मामले में मासूम बच्चे को खुले में रखे ट्रांसफार्मर के पास जाने की सजा इस प्रकार मिली कि शायद उसकी एक आंख की रोशनी चली जाए।

बताया जाता है कि प्रगति नगर में सड़क किनारे खुले में रखा ट्रांसफार्मर इससे पहले भी कई हादसों का करण बन चुका है। इसी कड़ी में बीते दिनों एक बच्चा खेलते–खेलते हुए ट्रांसफार्मर के निकट चला गया जहां किसी तार को छू जाने से तड़पने लगा। मौके पर दुकानदार और लोगो ने मिलकर किसी प्रकार से बच्चे को बचाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इस ट्रांसफार्मर से पहले भी कई बार दुर्घटनाएं हो चुकीं हैं जिसके संबंध में कई बार संबंधित अधिकारियों को सुचित कर इस मामले में कार्यवाही करने की प्रार्थना की जाती रही है, परंतु आला अधिकारी गहरी नींद में सो रहे हैं अथवा किसी बड़ी घटना होने का इंतज़ार कर रहे है।

बताया जाता है कि इसके चारों तरफ़ जाली और चबूतरा बनवाकर उस पर रखने को लेकर कई बार आस–पास के लोगो ने मिलकर प्रार्थना पत्र भी दिया पर कोई सुनवाई नहीं हुई।

संगम नगरी में गंगा-यमुना खतरे के निशान से ऊपर, पानी शहरी व ग्रामीण इलाको में लगा घुसने

प्रयागराज (रामनारायण पाल)।

पिछले दिनों गंगा 42 सेमी और यमुना 24 सेमी खतरे के निशान से ऊपर बह रही थी। उफनाई गंगा ने मंगलवार की रात 2019 में आई बाढ़ का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब पानी शहरी और ग्रामीण इलाकों में घुसने लगा है। इससे अब तक कछार के तीन दर्जन से अधिक गाँव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं।

उनके अनुसार ग्रामीण क्षेत्र ढोकरी, बजहा मिश्रान, गनेशीपुर, दुमदुमा, रसुलपुर, सिरसा आदि गाँवो में बाढ़ ने तबाही मचाना शुरू कर दिया है। लेकिन प्रशासन की तरफ से अभी तक कोई तैयारी नजर नहीं आ रहा है। ग्रामीण इलाकों के लिए भी प्रशासन ने कोई तैयारी नही की है। अगर ऐसा ही रहा तो आसपास के गाँव भी जल्द ही पानी में डूबते नजर आयेंगे।

बागली को जिला बनाये जाने को लेकर किया प्रदर्शन, आगामी चुनावों के बहिष्कार का किया ऐलान

बागली जिला बनाओं समिति ने किया प्रदर्शन

बागली (नूर मोहम्मद शेख)।

पिछले दिनों बागली को जिला बनाने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। बागली जिला बनाओ युवा शक्ति ने नगर में भ्रमण कर नागरिकों को जागरूक करने का प्रयास किया।

इस दौरान सरकार के द्वारा किये गए वादों को आम जनता के बिच पेश किया गया और बताया गया की मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जो वादा किया था उसे आज तक नहीं निभाया गया। इससे नाराज युवाओं ने बागली नगर में हर संप्रदाय के वरिष्ठ जनों तक पहुंच कर आगामी चुनाव का बहिष्कार करने की बात कही।

इस दौरान युवाओं ने अपने साथ बैनर पोस्टर भी लिया था जिस पर साफ़ लिखा था की जिला नहीं तो वोट नहीं। बैनर लिए चल रहे युवाओं के साथ गोपी शर्मा भी थे।

शर्मा ने बताया जब हमारे साथ बागली को जिला बनाने का वादा किया गया था तो इसको अभी तक अमलीजामा क्यों नहीं पहनाया गया ? युवाओं ने एक स्वर में कहा की बागली जिला बनाओ समिति आगामी चुनाव का बहिष्कार करेगी और बागली में किसी भी पार्टी का समर्थन नहीं किया जाएगा।

उन्होंने ये भी कहा की हमारी मांगे जब तक मानी नहीं जाती तब तक हम आंदोलन करेंगे। बागली जिला बनाओ समिति के नगर भ्रमण में बागली नगर के सभी वरिष्ठ जन और आम जनता शामिल हुई।

अस्पताल संचालक ने की युवती के साथ छेड़छाड़, मामला दर्ज

भोपाल (सईद फराज अली)।

पिछले दिनों भोपाल के कोहेफिजा इलाके में निजी मेयो अस्पताल के संचालक ने इलाज के बहाने युवती के साथ छेड़छाड़ की। शिकायत पर पुलिस ने अस्पताल संचालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

फिलहाल, आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। युवती का कहना है की आरोपी अस्पताल संचालक ने डायलिसिस रूम में उसके साथ अश्लील हरकत की है। विरोध करने पर धमकी भी दी।

पुलिस के मुताबिक, दूरदर्शन कॉलोनी श्यामला हिल्स निवासी 22 वर्षीय युवती फेफड़ों में इंफेक्शन होने पर 31 मई 2021 को मेयो अस्पताल में भर्ती हुई थी।

8 दिन बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। हाल ही में 1 अगस्त को युवती की फिर तबीयत बिगड़ गई।

इस पर वह दोबारा अस्पताल पहुंची। जहां डॉक्टर ने उसे भर्ती कर लिया। 5 अगस्त को तबीयत में सुधार नहीं होने पर युवती को जूनियर डॉक्टर ने कहा, बड़े डॉक्टर इलाज करेंगे। उसे अस्पताल के संचालक एके जायसवाल के पास इलाज के लिए भेजा। जायसवाल युवती को डायलिसिस रूम में लेकर गए। युवती का कहना है, इस दौरान डॉक्टर ने उसके साथ अश्लील हरकत किया।

विरोध करने पर धमकी देता रहा। इस वजह से वह चुप रही। बुधवार को घटना के बारे में परिजनों को बताया। इसके बाद परिजन उसे थाने लेकर पहुंचे।

सपा कार्यकर्ताओं ने आजम खान व उनके पुत्र को रिहा किये जाने की मांग को लेकर सौपा डीएम को ज्ञापन

फर्रुखाबाद (सर्जन कश्यप)।

पिछले दिनों समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं नें आजम खान और उनके पुत्र अब्दुल्ला आजम की जेल से रिहाई की मांग को लेकर राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन डीएम मानवेन्द्र सिंह को सौंपा।

बुधवार को अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष साजिद अली खान के नेतृत्व में सपा नेता कलेक्ट्रेट पंहुचे। उन्होंने

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा। जिसमे मांग करते हुए कहा कि सपा सांसद आजम खां प्रदेश सरकार के द्वारा लगाये गये आरोपों के चलते जेल की यातनाओं को भुगत रहें है। उनके द्वारा बनायी गयी जौहर यूनिवर्सिटी भी कई तरह की कठिनाईयों का सामान कर रही है। सपा सांसद आजम खां की उम्र लगभग 70 वर्ष हो गयी है। लिहाजा सरकार उनकी उम्र को ध्यान में रखते हुए उन्हें पैरोल पर रिहा करनें का आदेश करे।

इस दौरान नसीम अहमद, मुबीन खां, रियासत अली, मतीन खां, कम्मू खां, ओम प्रकाश शर्मा आदि मौजूद थे।

संपादकीय

आरक्षण-एक तीर कई निशाने

प्रमोद भार्गव

आजादी के 74 साल के इतिहास में आरक्षण से ज्यादा किसी अन्य मुद्दे ने देश की राजनीति को प्रभावित नहीं किया। आरक्षण का सबसे अधिक लाभ उठाने वाला पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सभी राजनीतिक दलों की आंखों का तारा रहा है। मंडल आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद अनेक क्षेत्रीय दल इसी के बूते उभरे और प्रदेश की राजनीति में छा गए। अबतक इसका सबसे ज्यादा लाभ यादव, कुम्हार, धाकड़, कुशवाह और जाट जाति के समुदायों ने उठाया है। लेकिन अब संविधान में 127वां संशोधन होने के बाद इसमें सेंध लगने जा रही है। संसद में चल रहे हंगामे के बीच केंद्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 342-ए, 338-बी और 366 में संशोधन विधेयक पेश कर लोकसभा से पारित करा लिया। मजे की बात यह रही कि पेगासस जासूसी और किसान आंदोलन जैसे मुद्दों पर नरेंद्र मोदी सरकार को नाकों चने चबाने की कोशिश में लगा संपूर्ण विपक्ष इस संशोधन के पक्ष में रहा। दरअसल सर्वोच्च न्यायालय ने इसी साल पांच मई को मराठा आरक्षण संबंधी फैसले को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि आरक्षण के दायरे में जातियों को जोड़ने-घटाने का अधिकार केंद्र के पास है। चूंकि महाराष्ट्र में मराठा आराक्षण का मुद्दा लंबे समय से चला आ रहा है और केंद्र में सत्ताधारी दल भाजपा महाराष्ट्र की सत्ता से बाहर है, इसलिए उसे महाराष्ट्र में अपनी जड़े फिर से मजबूती के लिए मराठों को खुश करना जरूरी था। लिहाजा केंद्र सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर असहमति जताई थी। बावजूद भाजपा को विपक्षी दलों की अलोचना झेलनी पड़ी थी कि 'केंद्र ने संघवाद का गला घोंटकर आरक्षण पर फैसले लेने का अधिकार राज्यों से छीन लिया है।' दरअसल केंद्र सरकार ने ओबीसी की विभिन्न वंचित जातियों में पैठ बनाने की ख्रष्टि से केंद्रीय कैबिनेट के जरिए ओबीसी की केंद्रीय सूची के वर्गीकरण के लिए आयोग बनाने के फैसले को मंजूरी दे दी थी। यानी इस वर्ग में भी पिछड़ेपन की सीमा को देखते हुए उन्हें आरक्षण को हक दिया जाएगा। एक तरह से यह कोटे के अंदर नया कोटा प्रबंध कर देने का प्रावधान था। महाराष्ट्र में मराठा, गुजरात में पाटीदार, राजस्थान में गुर्जर, हरियाणा में जाट, कर्नाटक में लिंगायत, आंध्र-प्रदेश में कापू के साथ-साथ उत्तर-प्रदेश और बिहार में भी कई जातियां खुद को आर्थिक और शैक्षिक आधार पर कमजोर मानते हुए पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करने और आरक्षण का लाभ देने की मांग कर रही हैं। गोया, इस पचड़े में पड़ने की बजाय केंद्र ने पिछड़े वर्ग की नई जातियों की पहचान कर सूची में शामिल करने का राज्यों का अधिकार संशोधन विधेयक लाकर बहाल कर दिया। केंद्र को यह फैसला इसलिए भी लेना पड़ा, क्योंकि उत्तर-प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए जातीय गोलबंदी शुरू हो चुकी है। इसी बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल ने जातीय जनगणना की मांग तेज कर दी। इन सब मांगों के मद्देनजर केंद्र ने इस संशोधन के मार्फत गेंद राज्यों के पाले में डालकर क्षेत्रीय दलों को जातियों के मकड़जाल में उलझाने का काम किया है।

ओबीसी के अंदर केंद्रीय सूची में शामिल जातियों को क्या उनकी संख्या के अनुरूप सही अनुपात में राज्य आरक्षण का कितना लाभ दे पाएंगे यह अब उन्हें ही तय करना है। ध्यान रहे कि पिछड़ा वर्ग आयोग ने तीन वर्गों में वगक्ककरण का सुझाव दिया था। एक वर्ग जो पिछड़ा है। दूसरा वर्ग जो ज्यादा पिछड़ा है और तीसरा जो अति पिछड़ा है। यह फैसला भले ही सामाजिक समानता के मुद्दे से जुड़ा है, लेकिन इसका राजनीतिक फलक काफी बड़ा है। बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में जो प्रभावी ओबीसी वर्ग है, वह आरक्षण के 27 फीसद कोटे के अधिकांश हिस्से पर काबिज हैं। ओबीसी में जातियों की उप-वर्ग के लिए आयोग बनाने की सिफारिश राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग ने साल 2011 में पहली बार की थी। आयोग की सिफारिश थी कि ओबीसी को तीन उप-वर्ग में बांटा जाएं। इससे पहले 1992 में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस संबंध में व्यवस्था दी थी। साल 2012, 2013 व 2014 में संसदीय समितियों ने भी इसकी सिफारिश की थी। उप-वर्ग बनाने का मकसद ओबीसी में सभी वर्गों को बराबर लाभ का मौका देना है। अक्सर आरोप लगते हैं कि पिछड़ी जातियों में से आर्थिक तौर पर मजबूत कुछ वर्ग ही फायदा उठा रहे हैं। उनके अलावा ज्यादातर पिछड़ी जातियों को फायदा नहीं मिल रहा है। उप-वर्ग बनने पर विशेष जातियों के लिए आरक्षण का बंटवारा हो जाएगा। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा साहनी एवं अन्य बनाम भारत सरकार मामले में 16 नवंबर 1992 को अपने आदेश में व्यवस्था दी थी कि पिछड़े वर्गों को पिछड़ा या अतिपिछड़ा के रूप में श्रेणीब) करने में कोई संवैधानिक या कानूनी बाधा नहीं है। लिहाजा कोई राज्य सरकार ऐसा करना चाहती है तो वह कर सकती है। इस परिप्रेक्ष्य में ओबीसी आयोग की सिफारिश पर 11 राज्य पहले ही अपनी ओबीसी सूची में उप-वर्ग बना चुके हैं। इन राज्यों में आंध्र प्रदेश, तेलगांना, पुढुचेरी, कर्नाटक, हरियाणा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र, तमिलनाडू और जम्मू-कश्मीर शामिल है। इसे नए संशोधन का महत्वपूर्ण पहलू है कि अब पिछड़ा वर्ग सूची में किसी नई जाति को जोड़ने या हटाने का अधिकार राज्य सरकारों के पास रहेगा। संविधान के अनुच्छेद 15 और 16 में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ी जातियों को आरक्षण देने को कहा गया है। इसमें शर्त है कि यह साबित किया जाए कि दूसरों के मुकाबले इन दोनों पैमानों पर पिछड़े हैं।

शेष पृष्ठ 7 पर...

पुलिस अधीक्षक ने औचक निरीक्षण में होमगार्ड जवान के ड्यूटी पर उत्कृष्ट आचरण से खुश हो किया सम्मानित

ड्यूटी पर खराब आचरण व प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को दी चेतावनी

हरदोई (शाहवाज हुसैन खान)। पिछले दिनों हरदोई जनपद में अपराध और अपराधियो पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक अजय कुमार काफ़ी सक्रिय हो गए। अपने एक औचक निरीक्षण के दौरान उन्होंने होमगार्ड जवान मिलखे वर्मा को अपने कार्य के प्रति समर्पित और मुस्तैद पाया। जिससे खुश होकर उन्होंने उसे नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया।

ज्ञात हो कि पुलिसकर्मियों को दुरुस्त रखने के लिए कभी-कभी औचक निरीक्षण के लिए शहर की सड़कों पर निकल पड़ते है।

ऐसे ही एक औचक निरीक्षण के दौरान जनपद हरदोई के बड़ा चौराहा स्थित ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का निरीक्षण किया तथा ढिलाई और अनियमिता पाए जाने पर उसको दण्डित भी किया।

इसी अवसर पर वहां पर मौजूद तैनात होमगार्ड जवान मिलखे वर्मा का टर्न आउट उत्कृष्ट मुस्तैदी एवं चुस्त तथा व्यवहार उच्च कोटि का पाए जाने होमगार्ड जवान की ड्यूटी से खुश होकर पुरस्कार राशि प्रदान किये। इसके साथ ही उन्होंने सभी हरदोई पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर मौजूद मुस्तैद रहने के सख्त दिशा निर्देश दिए।

ज्ञात हो इससे पूर्व भी समय-समय पर उनके द्वारा निरीक्षण कर क्षेत्र के पुलिसकर्मियों का आचरण, व्यवहार व अनुशासन के प्रति सजग रहने का निर्देश देते रहते है। जिससे जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़े।

साप्ताहिक राशिफल

यह राशिफल गोचर ग्रहों के साप्ताहिक योग से जन्म/नाम राशि गणना अनुसार है।

मेष राशि इस सप्ताह मानसिक तौर पर आप खुद को, स्थिर महसूस नहीं करेंगे। इसलिए आपको इस बात का सबसे अधिक ख़याल रखने की ज़रूरत होगी कि, दूसरों के सामने बातचीत करते समय मर्दाया का ध्यान रखें, और दूसरों से अच्छा बर्ताव करें। अन्यथा तनाव मिलने के साथ-साथ, आपकी छवि को भी नुकसान पहुँच सकता है। इस हफ्ते आपको खासतोर पर, हर प्रकार के दीर्घावधि निवेश से बचना होगा। करियर से संबंधित कोई भी जरूरी बातें या योजना हर किसी से शेयर करने से आपको परहेज करने की ज़रूरत होगी। क्योंकि आशंका है कि आप किसी से अपने दिल की बात साझा करें, जिससे आपकी ही योजना आपके खिलाफ इस्तेमाल की जा सकती है। इसके साथ ही आपको स्वस्थ रहने के लिये, समय-समय पर संतुलित आहार लेने के साथ-साथ, अपनी दिनचर्या में भी सुधार करने की जरुरत होगी। क्योंकि संभव है कि इस समय, खराब स्वास्थ्य की वजह से शिक्षा अर्जित करने की आपकी गति बाधित हो, जिसका ख़ामियाज़ा आपको आने वाली किसी परीक्षा में उठाना पड़ सकता है। उपाय- बजरंग बाण का पाठ अवश्य करें।

वृष राशि इस सप्ताह विशेष ध्यान से वाहन चलाएँ। ख़ास तौर पर तेज़ मोड़ों और चौराहों पर, अपनी आँख और कान खुले रखें, अन्यथा आप किसी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं। आपकी राशि के जातकों के लिए, धन से जुड़े मामले इस सप्ताह आपको लाभकारी परिणाम प्रदान करेंगे। क्योंकि इस समय आपकी आर्थिक स्थिति तो बेहतर होगी ही, साथ ही कोई भी आर्थिक फ़ैसला लेने के लिए यह समय सामान्य से काफी उपयुक्त भी दिखाई दे रहा है। इस सप्ताह आपकी राशि के अनुसार चतुर्थ भाव में मंगल ग्रह का सूर्य के साथ अस्त हो कर बैठना स्वाभाविक है कि इस दौरान आपका कोई करीबी या घर का सदस्य, आपके प्रति बेहद अजीब व्यवहार कर सकता है। जिसके कारण आपको कुछ असहजता महसूस तो होगी ही, साथ ही आप उन्हें समझने में भी लगभग अपना बहुत-सा समय और ऊर्जा व्यर्थ कर सकते हैं। हमेशा परिस्थितियां हमारे अनुसार काम करें, ऐसा ज़रूरी नहीं होता है और ठीक ऐसा ही इस सप्ताह भी महसूस होने वाला है आपकी हर राणिनीति और योजना बेकार होती दिखाई देगी। इससे आप खुद को प्रोत्साहित रखने में भी असमर्थ होंगे। वो छात्र जो उच्च शिक्षा की तैयारी कर रहे है, उनके लिए ये सप्ताह अच्छा रहेगा। खासतौर से इस हफ्ते की शुरुआत आपसे अधिक मेहनत कराएगी। उपाय- दुर्गा चालीसा का पाठ करें, मां दुर्गा को लाल चुनरी अर्पित करें।

मिथुन राशि यदि आप मांसाहार करते हैं तो, इस सप्ताह आपको कमज़ोरी की समस्या से निजात मिल सकेगी। हालांकि इसके लिए बेहतर ये भी होगा कि बाहर से खाना मंगवाने की जगह, घर पर ही बना भोजन खाएं और भोजन को हजम कराने के लिए, रोज़ाना करीब 30 मिनट तक चलें। जिन कारोबारियों ने मुनाफ़ा पाने के लिये पूर्व में कोई डील की थी, तो उन्हें खुशखबरी प्राप्त हो सकती हैं, साथ ही कोई बड़ा शुभ संकेत मिल सकता है। क्योंकि संभव है कि आपकी यह डील सफल रहे, जिससे आपके पास जल्द ही पैसे या मुनाफ़ा आने के कई योग बनते

शेष पृष्ठ १० पर...

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

फूलन देवी के जन्मदिन को मनाने के लिए जुटे भारतीय मानव समाज पार्टी के समस्त पदाधिकारी

फर्रूखाबाद (सर्जन कश्यप)। पिछले दिनों वीरांगन फूलन देवी के जन्मदिन के मौके पर लोगों ने फूलन देवी के जीवन पर प्रकाश डाला और कहा कि जिस तरह से फूलन देवी ने अपने ऊपर हुए अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई उससे लोगों को प्रेरणा लेना चाहिए की भविष्य में किसी के ऊपर कोई अत्याचार नहीं होना चाहिए।

इस मौके पर लोगों ने केक काटकर खुशी जाहिर की लोगों ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाई। वही भारतीय मानव समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अंकुश कुमार कश्यप जी ने भी कहा कि फूलन देवी की रिहाई में फर्रूखाबाद जनपद ने अग्रणी भूमिका निभाई थी।

16 जुलाई 1992 को ग्वालियर के फूलबाग मैदान में फर्रुखाबाद के लोगों ने वहां पर जाकर प्रदर्शन किया जिसमें सम्मानित फूलन देवी की रिहाई की मांग की थी जिसमें हमारे 2 लोग शहीद भी हुए थे। रंगीला लाल जी कश्यप, पप्पू कश्यप कि ग्वालियर जाते हुए भिंड में गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी जिसमें इन दोनों व्यक्तियों की मृत्यु हो गई थी।

कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। जिसमें जितेंद्र कश्यप, शिवा बाथम, शिवपाल बाथम, दिनेश बाथम आदि लोग चोटिल हुए थे। उस कुर्बानी को देखते हुए ईश्वर ने फूलन देवी को रिहा करने उपरांत सांसद बनाने तक का सपना पूर्ण किया। इस मौके पर अजीत बाथम जी, प्रवीण कश्यप जी, सुभाष चंद बाथम जी, आशीष मिश्रा जी, अनिल कश्यप जी, अमल बाथम जी एवं आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने दिया पत्रकार के खिलाफ फर्जी मुकदमा समाप्त करने का निर्देश

हरदोई प्रैस क्लब द्वारा लाया गया मामला संज्ञान में

हरदोई (शाहवाज हुसैन खान)। पिछले दिनों हरदोई पत्रकार सुमित तिवारी के खिलाफ़ थाना टड़ियावां में दर्ज कराए गए फर्जी मुकदमें को हरदोई प्रेस क्लब द्वारा पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के संज्ञान में लाने के बाद पुलिस अधीक्षक ने तत्काल टडियावां थाना प्रभारी निरीक्षक को मुकदमा समाप्त करने के निर्देश दिया तथा भविष्य में किसी पत्रकार के विरुद्ध बिना जांच या पूर्व सूचना के मुकदमा दर्ज न करने का भी दिशा निर्देश दिए।

ज्ञात हो कि अरहोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्था पर सवाल उठाए जाने पर वहां के कर्मचारियों ने मिलकर पत्रकार के विरुद्ध सरकारी कार्य में बाधा डालने का फर्जी मुकदमा दर्ज करा दिया था।

हरदोई प्रेस क्लब के अध्यक्ष हरिश्याम बाजपेई ने कहा कि पत्रकार और उसकी पत्नी को तीन घण्टे कमरे में बैठाए रखा और ग़लत व्यवहार किया गया जिसकी शिकायत जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की से की जाएगी।

त्यौहारों के मद्देनजर शांति समिति के बैठक आयोजित

देवास (नूर मोहम्मद)। पिछले दिनों बागली में आगामी पर्व एवं मुहर्रम त्यौहार को लेकर आगामी दिनों में होने वाले पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक कर जनप्रतिनिधियों एवं मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ मीटिंग कर पर्व शालीनता व कोरोना महामारी के चलते हुए शासन प्रशासन के निर्देशन का पालन करते हुए मनाने की बात रखी गई हैं। अनुमति के साथ ही अन्य कार्यक्रमों के आदेश हेतु अगर प्रशासन द्वारा कोई भी नया आदेश जारी करती हैं तो उसका सख्ती से पालन करना होगा।

इस बैठक के दौरान एसडीओपी, राकेश व्यास, तहसीलदार राधा महंत, नायब तहसीलदार प्रतिभा भाबर , नगर पंचायत परिषद कर्मचारी जमील शेख, बागली थाना प्रभारी सुनीता कटारे द्वारा आगामी मोहर्रम त्यौहार के संबंध में शासन की गाइडलाइंस एवं कोरोना प्रोटोकाल के अंतर्गत त्योहार मनाने के दिशा निर्देश दिए गए।

नगर बागली थाने के अन्य कर्मचारी रोहित पारस, बीआर भिलाला साह के साथ ही इस मीटिंग में नूरी अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर फिरोज खान, नायब सदर मोहम्मद शरीफ खान, अजीज मंसूरी, पार्षद यूनुस शाह, कादर खान, इकबाल शाह, जाकिर कुरेशी और ताजिया रखने वाले मुस्लिम समुदाय के साथ सवारी रखने वाले मुस्लिम समाज के लोग के अलावा नगर बागली के गणमान्य नागरिक मोतीलाल पटेल, राजेश बजाज, डॉक्टर रामचंद राठौर, कमल सोनी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सुश्री श्यामा तोमर, सुनील योगी, संदीप जयसवाल, राजेंद्र योगी सहित जनप्रतिनिधि पत्रकार बन्धु भी उपस्थित रहे।

ट्रक व बोलेरो में जोरदार भिड़ंत में युवक की मृत्यु

फर्रूखाबाद (सर्जन कश्यप)। पिछले दिनों फर्रूखाबाद की तरफ से जा रहे ट्रक व बोलेरो की जोरदार टक्कर में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फर्रूखाबाद की तरफ से जा रहा छिबरामऊ रोड पर ग्राम रूनी में खतरनाक हादसा हुआ। हादसे के बाद से ही ड्राइवर ट्रक को छोड़ कर मौके से फरार हो गया।

लोगों के अनुसार हादसे में बोलेरो चला रहे घायल युवक ग्राम रूनी निवासी पुष्पेन्द्र सागर, की हालत गंभीर थी। लेकिन एम्बुलेंस के लेट होने के कारण प्राईवेट वाहन से उन्हें गंभीरावस्था में लोहिया अस्पताल में ले जाया गया। जहां डाक्टरों ने पुष्पेन्द्र को मृत घोषित कर दिया। मौके पर पकड़े गये ट्रक के कण्डेक्टर से वहां उपस्थित लोगों द्वारा पूछताछ करने पर उसने अपना नाम अरविन्द बताया और ट्रक ड्राईवर को जिला कानपुर ग्राम देवरामपुर का रहने वाला बताया।

आरक्षण - एक तीर ....

...पृष्ठ ६ का शेष

क्योंकि बीते वक्त में उनके साथ अन्याय हुआ है, यह मानते हुए उसकी भरपाई के तौर पर आरक्षण दिया जा सकता है। राज्य का पिछड़ा वर्ग आयोग राज्य में रहने वाले अलग-अलग वर्गों की सामाजिक स्थिति का ब्योरा रखता है। वह इसी आधार पर अपनी सिफारिशें देता है। अगर मामला पूरे देश का है तो राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अपनी सिफारिशें देता है। देश में कुछ जातियों को किसी राज्य में आरक्षण मिला है तो किसी दूसरे राज्य में नही मिला है। मंडल आयोग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने भी साफ कर दिया था कि अलग-अलग राज्यों में हालात अलग-अलग हो सकते हैं। वैसे तो आरक्षण की मांग जिन प्रांतों में भी उठी है, उन राज्यों की सरकारों ने खूब सियासी खेल खेला है, लेकिन हरियाणा मे यह खेल कुछ ज्यादा ही खेला गया है। जाट आरक्षण के लिए, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर सरकार ने बीसी (पिछड़ा वर्ग) सी नाम से एक नई श्रेणी बनाई थी, ताकि पहले से अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल आरक्षण का लाभ प्राप्त कर रहीं जातियां अपने अवसर कम होने की आशंका से खफा न हों। साथ ही बीसी-ए और बीसी बी-श्रेणी में आरक्षण का प्रतिशत भी बढ़ा दिया था। जाटों के साथ जट सिख, बिशनोई, त्यागी, रोड, मुस्लिम जाट व मुल्ला जाट बीसी-सी श्रेणी में मिलने वाले 10 प्रतिशत आरक्षण से लाभान्वित हो गए थे। इस विधेयक में इसकी साफ झलक रही थी, कि जाट आंदोलन से झुलसी सरकार ने यह हर संभव कोशिश की है कि राज्य में सामाजिक समीकरण सधे रहें। लेकिन उच्च न्यायालय ने इन प्रावधानों को खारिज कर दिया था। आरक्षण के इस सियासी खेल में अगली कड़ी के रूप में महाराष्ट्र आगे आया। यहां मराठों को 16 फीसदी और मुस्लिमों को 5 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान विधानसभा चुनाव के ठीक पहले कर दिया गया था। यहां इस समय कांग्रेस और राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की सरकार थी। सरकार ने सरकारी नौकरियों,शिक्षा और अर्ध सरकारी नौकरियों में आरक्षण सुनिश्चित किया था। महाराष्ट्र में इस कानून के लागू होने के बाद आरक्षण का प्रतिशत 52 से बढ़कर 73 हो गया था। यह व्यवस्था संविधान की उस बुनियादी अवधारणा के विरुद्ध थी,जिसके मुताबिक आरक्षण की सुविधा 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। बाद में मुंबई उच्च न्यायालय ने इस आदेश पर स्थगन दिया और फिर 5 मई 2021 को सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। इस फैसले के बाद ही केंद्र सरकार ने राज्यों को ओबीसी की सूची में नई जातियां शामिल करने का अधिकार दिया है। इस कड़ी में राजस्थान सरकार ने सभी संवैधानिक प्रावधानों एवं सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों को दरकिनार करते हुए सरकारी नौकरियों में गुर्जर,बंजारा,गाड़िया लुहार,रेबारियों को 5 प्रतिशत और सवर्णों में आर्थिक रूप से पिछड़ों को 14 प्रतिशत आरक्षण देने का विधेयक 2015 में पारित किया था। इस प्रावधान पर राजस्थान उच्च न्यायालय ने स्थगन दे दिया था। यदि आरक्षण के इस प्रावधान को लागू कर दिया जाता तो राजस्थान में आरक्षण का आंकड़ा बढ़कर 68 फीसदी हो जाता, जो न्यायालय द्वारा निर्धारित की गई 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन है। साफ है, राजस्थान उच्च न्यायालय इसी तरह के 2009 और 2013 में वर्तमान कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार द्वारा किए गए ऐसे ही कानूनी प्रावधानों को असंवैधानिक ठहरा चुकी है। लेकिन अब पिछड़ा वर्ग में उप-वर्ग बनाए जाने का मार्ग राज्य ही खोल सकते हैं। उत्तर-प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने 127वें संविधान संशोधन के तत्काल बाद राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के बैठक की और जिन 79 जातियों को पिछड़ा वर्ग में जोड़ने की प्रक्रिया चल रही थी, उस सूची में 39 जातियां और जोड़ दीं। उत्तर-प्रदेश में ओबीसी के 27 फीसदी आरक्षण को तीन हिस्सों में विभाजित किया जाएगा। इसके तहत यादव, अहीर, जाट, कुम्हृ, सोनार और चौरसिया को पिछड़ा वर्ग में रखा जाएगा। अति पिछड़ा वर्ग में गिरी, गुर्जर, गोसाईं, लोद, कुशवाहा, कुम्हार, माली और लुहार समेत कुछ अन्य जातियों को 11 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा।

हर्षोंल्लास के साथ मनाया गया तीज पर्व

फतेहाबाद (रमेश कुमार)। पिछले दिनों स्वामी नगर में निशा शाक्य के निवास पर समाज सेविका रेखा शाक्य के नेतृत्व में हरियाली तीज महोत्सव धूमधाम व हर्शोल्लास से मनाया गया।

इस अवसर पर रेखा शाक्य ने कहा कि तीज हरियाली का प्रतीक है। जो सभी के लिए खुशियां लाने का काम करता है। इस दिन महिलाएं झूला झूलकर खुशी मनाती है।

वहीं निशा शाक्य ने कहा कि हरियाली तीज पर महिलाएं व्रत रखती है और माँ पार्वती की आराधना करती है।

सभी महिलाओं ने मंगल गीत भी गाए। रेखा शाक्य और निशा शाक्य ने हरियाली तीज की सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

स्वतंत्रता के मायने तभी है जब उसमें मर्यादा, चरित्र और समर्पण भाव हो

भारत देश बेशक एक स्वतंत्र गणराज्य सालों पहले बन गया हो। लेकिन इतने सालों बाद आज भी देश में धर्म, जाति और अमीरी गरीबी के आधार पर भेदभाव आम बात है। लोग आज भी जाति के आधार पर ऊंच-नीच की भावना रखते हैं। आज भी लोगों में सामंतवादी विचारधारा घर की हुयी है और कुछ अमीर लोग आज भी समझते हैं कि अच्छे कपड़े पहनना, अच्छे घर में रहना, अच्छी शिक्षा प्राप्त करना और आर्थिक विकास पर सिर्फ उनका ही जन्मसिद्ध अधिकार है। इसके लिए जरूरत है कि देश में संविधान द्वारा प्रदत्त शिक्षा के अधिकार के जरिए लोगों में जागरूकता लायी जाये। जिससे कि देश में धर्म, जाति, अमीरी-गरीबी और लिंग के आधार पर भेदभाव न हो सके। स्वतंत्रता के मूल अवधारणा व नागरिकों की बौद्धिकता को उद्वेलित करता ब्रह्मानन्द राजपूत का विचारोत्तेजक लेख-

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर हिन्दुस्तान में जगह–जगह हवा में लहराता झंडा हमें स्वतंत्र भारत का नागरिक होने का अहसास कराता है। इस साल 75वां स्वतंत्रता दिवस होने की वजह से इस दिन की महत्वता और बढ़ जाती है। आजादी से लेकर आज तक भारत देश ने कई उतार–चढाव देखे है और हर प्रकार की परिस्थिति में अपने गौरव को बढ़ाया है व विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बनाई है। स्वतंत्रता दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन हमारा हिन्दुस्तान आज से 74 साल पहले 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से स्वतंत्र हुआ था। इसी दिन हमारे वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानिओं ने हमें अंग्रेजों के अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। हमें आजादी दिलाने के लिए न जाने कितने वीर वीरांगनाओं ने अंग्रेजों की अमानवीय यातनाओं व अत्याचारों का सामना किया और देश की आजादी के लिए अपनी आहुतियां दी। यह दिन ऐसे ही वीर–वीरांगनाओं को याद करने का दिन है।

इस दिन का भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए एक विशेष महत्व है, इस दिन हर भारतवासी अपने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करता है, जिनके खून पसीने और संघर्ष से हमें आजादी नसीब हुई। स्वतंत्रता के मायने हर नागरिक के लिए अलग–अलग होते हैं, कोई व्यक्ति स्वतंत्रता को अपने लिए खुली छूट मानता है, जिसमे वो अपनी मर्जी का कुछ भी कर सके, चाहे वो गलत हो या सही हो। लेकिन स्वतंत्रता सिर्फ अच्छी चीजों के लिए होती है। बुरी चीजों के लिए स्वतंत्रता अभिशाप बन जाती है। इसलिए स्वतंत्रता के मायने तभी हैं जब स्वतंत्रता में मर्यादा, चरित्र और समर्पण का भाव हो। अगर स्वतंत्रता में मर्यादा, चरित्र और समर्पण ही नहीं है तो यह आजादी नहीं बल्कि एक प्रकार का छुट्टापन होता है। जिस पर कोई भी लगाम नहीं होती। यही छुट्टापन देश और समाज में बलात्कार, छेड़खानी, हत्या और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं के अंजाम के लिए जिम्मेदार होता है। स्वतंत्रता दिवस के दिन देश के युवा पतंगें उड़ा कर आजादी का जश्न मनाते हैं। हवा में लहराती पतंगें संदेश देती हैं कि हम आजाद देश के निवासी हैं। पर क्या तिरंगा फहराकर या पतंग उड़ाकर आजादी का अहसास हो जाता है? क्या भारत में हर किसी को आजादी से जीने का हक मिल पाया है? हमें आजादी मिली, उसका हमने क्या सदुपयोग किया। लोग पेड़ों को काट रहे हैं। बालिका भ्रूण की हत्या हो रही है। सड़कों पर महिलाओं पर अत्याचार होते हैं। अकेले रह रहे बुजुर्गों की हत्या कर दी जाती है। शराब पीकर लोग देश में सड़क हादसों को अंजाम देते हैं, और दूसरे बेगुनाह लोगों को मार देते हैं। ये कैसी आजादी है, जहां एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का हनन कर रहा है।

बेशक भारत को स्वतंत्र हुए 74 साल हो गए हों, लेकिन आज भी हमारे आजाद भारत देश में बाल अधिकारों का हनन हो रहा है। छोटे–छोटे बच्चे स्कूल जाने की उम्र में काम करते दिख जाते हैं। आज बाल मजदूरी समाज पर कलंक है। इसके खात्मे के लिए सरकारों और समाज को मिलकर काम करना होगा। साथ ही साथ बाल मजदूरी पर पूर्णतया रोक लगानी चाहिए। बच्चों के उत्थान और उनके अधिकारों के लिए अनेक योजनाओं का प्रारंभ किया जाना चाहिए। जिससे बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव दिखे और शिक्षा का अधिकार भी सभी बच्चों के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए। गरीबी दूर करने वाले सभी व्यवहारिक उपाय उपयोग में लाए जाने चाहिए। बालश्रम की समस्या का समाधान तभी होगा जब हर बच्चे के पास उसका अधिकार पहुँच जाएगा। इसके लिए जो बच्चे अपने अधिकारों से वंचित हैं, उनके अधिकार उनको दिलाने के लिये समाज और देश को सामूहिक प्रयास करने होंगे। आज देश के प्रत्येक नागरिक को बाल मजदूरी का उन्मूलन करने की जरूरत है। देश के किसी भी हिस्से में कोई भी बच्चा बाल श्रमिक दिखे, तो देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह बाल मजदूरी का विरोध करे और इस दिशा में उचित कार्यवाही करें साथ ही साथ उनके अधिकार दिलाने के लिये प्रयास करें। देश का हर बच्चा कन्हैया का स्वरूप है, इसलिए कन्हैया के प्रतिरूप से बालश्रम कराना पाप है। इस पाप का भगीदार न बनकर देश के हर नागरिक को देश के नन्हे–मुन्नों को शिक्षा का अधिकार दिलाना चाहिए जिससे कि हर बच्चा बड़ा होकर देश का नाम विश्व स्तर पर रोशन कर सके। भारत देश में कानून बनाने का अधिकार केवल भारतीय लोकतंत्र के मंदिर भारतीय संसद को दिया गया है। जब भी भारत में कोई नया कानून बनता है तो वो संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) से पास होकर राष्ट्रपति के पास जाता है। जब राष्ट्रपति उस कानून पर बिना आपत्ति किये हुए हस्ताक्षर करता है तो वो देश का कानून बन जाता है। लेकिन आज देश के लिए कानून बनाने वाली भारतीय लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था भारतीय संसद की हालत दयनीय है। जो लोग संसद के दोनों सदनों में प्रतिनिधि बनकर जाते हैं, वो लोग ही आज संसद को बंधक बनाये हुए हैं और उनमें से अधिकतर लोग लोकतन्त्र के मन्दिर भारतीय संसद की मर्यादा को तार–तार करते हैं व विश्व समुदाय के सामने देश के गौरव को कलंकित करने का काम करते है। जब भी संसद सत्र चालू होता है तो संसद सदस्यों द्वारा चर्चा करने की बजाय हंगामा किया जाता है और देश की जनता के पैसों पर हर तरह की सुविधा पाने वाले संसद सदस्य देश के भले के लिए काम करने की जगह संसद को कुश्ती का अखाडा बना देते हैं, जिसमें पहलवानी के दांवपेचों की जगह आरोप प्रत्यारोप और अभद्र भाषा के दांवपेंच खेले जाते हैं। जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। आज जरूरत है कि देश के लिए कानून बनाने वाले संसद सदस्यों के लिए एक कठोर कानून बनना चाहिए। जिसमें कड़े प्रावधान होने चाहिए, जिससे कि संसद सदस्य संसद में हंगामा खड़ा करने की जगह देश की भलाई के लिए अपना योगदान दें। आज हमारे जनप्रतिनिधि आम जनता के प्रतिनिधि न होकर सिर्फ और सिर्फ अपने और अपने लोगों के प्रतिनिधि बनकर खड़े होते हैं, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। एक स्वतंत्र गणतांत्रिक देश में जनप्रतिनिधियों से देश का कोई भी नागरिक ऐसी अपेक्षा नहीं करता है। हर जनप्रतिनिधि का फर्ज है कि वह अपने और अपने लोगों का प्रतिनिधि बनने की बजाय अपने क्षेत्र की सम्पूर्ण जनता के प्रतिनिधि बनें और देश के सभी जनप्रतिनिधियों को न्यायप्रिय शासन करना चाहिए, जिसमें समाज के हर तबके के लिए स्थान हो तभी हमारी स्वतंत्रता अक्षुण्ण रह पाएगी।

बेशक हम अपना 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हों लेकिन आज भी देश महिलाओं को पूर्णतः स्वतंत्रता नहीं है, आज भी देश में महिलाओं को बाहर अपनी मर्जी से काम करने से रोका जाता है। महिलाओं पर तमाम तरह की बंदिशें परिवार और समाज द्वारा थोपी जाती हैं जो कि संविधान द्वारा प्रदत्त महिलाओं को उनके मौलिक अधिकारों का हनन करती है। आज भी देश में महिलाओं के मौलिक अधिकार चाहे समानता का अधिकार हो, चाहे स्वतंत्रता का अधिकार हो, चाहे धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार हो, चाहे शिक्षा और संस्कृति सम्बन्धी अधिकार हो; समाज द्वारा नारियों के हर अधिकार को छीना जाता है या उस पर बंदिशे लगायी जाती हैं, जोकि एक स्वतंत्र देश के नवनिर्माण के लिए शुभ संकेत नहीं है। कोई भी देश तब अच्छे से निर्मित होता है जब उसके नागरिक चाहे महिला हो या पुरुष हो उस देश के कानून और संविधान को पूर्ण रूप से सम्मान करे और उसका कड़ाई से पालन करे।

आज बेशक भारत विश्व की उभरती हुई शक्ति है। लेकिन आज भी देश काफी पिछड़ा हुआ है। देश में आज भी कन्या जन्म को दुर्भाग्य माना जाता है और आज भी भारत के रूढ़िवादी समाज में हजारों कन्याओं की भ्रूण में हत्या की जाती है। सड़कों पर महिलाओं पर अत्याचार होते हैं। सरेआम महिलाओं से छेड़छाड़ और बलात्कार के किस्से भारत देश में आम बात हैं। कई युवा (जिनमें भारी तादाद में लड़कियां भी शामिल हैं) एक तरफ जहां हमारे देश का नाम ऊंचा कर रहे हैं। वहीं कई ऐसे युवा भी हैं जो देश को शर्मसार कर रहे हैं। दिनदहाड़े युवतियों का अपहरण, छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न कर देश का सिर नीचा कर रहे हैं। हमें पैदा होते ही महिलाओं का सम्मान करना सिखाया जाता है पर आज भी विकृत मानसिकता के कई युवा घर से बाहर निकलते ही महिलाओं की इज्जत को तार–तार करने से नहीं चूकते। इस सबके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार शिक्षा का अभाव है।

शिक्षा का अधिकार हमें भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों के रूप में अनुच्छेद 29–30 के अन्तर्गत दिया गया है। लेकिन आज भी देश के कई हिस्सों में नारी शिक्षा को सही नहीं माना जाता है। नारी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के साथ भारतीय समाज को भी आगे आना होगा। तभी देश में अशिक्षा जैसे अँधेरे में शिक्षा रूपी दीपक को जलाकर

उजाला किया जा सकता है। जब नारी को असल में शिक्षा का अधिकार मिलेगा तभी नारी इस देश में स्वतंत्र होगी। गीता में कहा गया है कि ''सा विद्या या विमुक्तये।'' अर्थात विद्या ही हमें समस्त बंधनों से मुक्ति दिलाती है, इसलिए राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए बिना भेदभाव के सभी को शिक्षा का अधिकार दिया जाना चाहिए। आज लड़कियां हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही है, अगर लड़कियों को उनकी प्रतिभा के अनुसार अवसर दियें जायें तो ये तादात और बढ़ सकती है। देश में जरूरत है लड़कियों को अवसर देने की, जिससे कि वो अपने अवसर को सफलता में बदल सकें।

भारत देश बेशक एक स्वतंत्र गणराज्य सालों पहले बन गया हो। लेकिन इतने सालों बाद आज भी देश में धर्म, जाति और अमीरी गरीबी के आधार पर भेदभाव आम बात है। लोग आज भी जाति के आधार पर ऊंच–नीच की भावना रखते हैं। आज भी लोगों में सामंतवादी विचारधारा घर करी हुयी है और कुछ अमीर लोग आज भी समझते हैं कि अच्छे कपड़े पहनना, अच्छे घर में रहना, अच्छी शिक्षा प्राप्त करना और आर्थिक विकास पर सिर्फ उनका ही जन्मसिद्ध अधिकार है। इसके लिए जरूरत है कि देश में संविधान द्वारा प्रदत्त शिक्षा के अधिकार के जरिए लोगों में जागरूकता लायी जाये। जिससे कि देश में धर्म, जाति, अमीरी–गरीबी और लिंग के आधार पर भेदभाव न हो सके इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस इस वजह से और अहम है कि इस साल टोक्यो ओलंपिक–2020 में भारत ने अब तक के अपने ओलंपिक इतिहास के सबसे ज्यादा पदक जीते है, जिसमें 1 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य पदक जीते हैं। इस ओलंपिक गेम्स में एथलेटिक्स के इतिहास में पहला स्वर्ण पदक भाला फेंक प्रतियोगिता में देश के होनहार युवा 23 वर्षीय नीरज चोपड़ा ने जीता है और देश को विश्व पटल पर गौरवान्वित करने का काम किया है। इसके साथ ही कुश्ती में रवि कुमार दहिया ने रजत पदक जीतकर भारत का मान बढाया है। भारोत्तोलन प्रतियोगिता में देश की बेटी सेखोम मीराबाई चानू ने रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। पी०वी० सिंधु ने बैडमिंटन में कांस्य पदक जीता है, पी०वी० सिंधु दो ओलंपिक गेम्स (रियो 2016, टोक्यो–2020) में पदक जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं। भारत की बेटी लवलीन बोरगोहेन ने बॉक्सिंग में कांस्य पदक जीतकर देश का गौरव बढाया है। पुरुष हॉकी टीम ने भी टोक्यो ओलंपिक गेम्स में 41 साल बाद पदक जीता है, बेशक पदक कांस्य हो लेकिन पुरुष हॉकी टीम ने देश का गौरव बढ़ाने का काम किया है, इसके साथ ही देश की बेटियां ने ओलंपिक गेम्स के सेमीफाइनल में पहुंचकर भविष्य के लिए अपने इरादे जता दिए हैं। टोक्यो ओलंपिक गेम्स में भारत की दोनों हॉकी टीम्स (महिला और पुरुष) ने भारत का हॉकी में स्वर्णिम इतिहास लाने की भविष्य में आस बढ़ा दी है। कुश्ती में भी पहलवान बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित करने का काम किया है। इसके साथ ही टोक्यो ओलंपिक गेम्स में भारतीय दल के अन्य खिलाड़ियों ने भी गजब का खेल दिखाया है और उम्मीद जगाई है कि पेरिस ओलंपिक गेम्स–2024 में पदकों की संख्या और बढ़ेगी। अगर देश के होनहार युवाओं को देश में ही सरकारों या स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा उपयुक्त प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाये तो देश में और प्रतिभायें निखर के आयेंगी और भारत देश का मान विश्व पटल पर होगा।

स्वतंत्रता दिवस प्रसन्नता और गौरव का दिवस है। इस दिन सभी भारतीय नागरिकों को मिलकर अपने लोकतंत्र की उपलब्धियों का उत्सव मनाना चाहिए और एक शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं प्रगतिशील भारत के निर्माण में स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लेना चाहिए। क्योंकि भारत देश सदियों से अपने त्याग, बलिदान, भक्ति, शिष्टता, शालीनता, उदारता, ईमानदारी और श्रमशीलता के लिए जाना जाता है। तभी सारी दुनिया ये जानती और मानती है कि भारत भूमि जैसी और कोई भूमि नहीं, आज भारत एक विविध, बहुभाषी, और बहु–जातीय समाज है। जिसका विश्व में एक अहम स्थान है। आज का दिन अपने वीर जवानों को भी नमन करने का दिन है जोकि हर तरह के हालातों में सीमा पर रहकर सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस कराते हैं। साथ–साथ उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करने का भी दिन हैं, जिन्होंने हमारे देश को आजाद कराने में अहम भूमिका निभाई। आज 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान और गणतंत्र के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहरानी चाहिए और देश के समक्ष आने वाली चुनौतियों का मिलकर सामूहिक रूप से सामना करने का प्रण लेना चाहिए। साथ–साथ देश में शिक्षा, समानता, सद्भाव, पारदर्शिता को बढ़ावा देने का संकल्प लेना चाहिए। जिससे कि देश प्रगति के पथ पर और तेजी से आगे बढ़ सके।

लखनऊ में आम आदमी पार्टी ने निकाली विशाल तिरंगा यात्रा, उमड़ा जन सैलाब

लखनऊ (शाहवाज हुसैन खान)।

पिछले दिनों लखनऊ आप पार्टी के संयोजक सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में शनिवार को हज़ारों लोगों की संख्या में एक विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

जिसके माध्यम से भाजपा सरकार को चेताया गया कि नफरत और हिंसा की राजनीति का मुंह तोड़ जवाब आप पार्टी द्वारा दिया जाएगा।

सांसद संजय सिंह ने कहा कि देश की आन बान शान है तिरंगा हिंदू मुस्लिम सिक्ख ईसाई आपस में सब भाई–भाई इस समरता की भावना को जो रौदेगा आम आदमी पार्टी उसको मुंह तोड़ जवाब देगी।

प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता सेनानी ने हमें आज़ादी दिलाने को जो बलिदान दिए उसको बनाए रखने के लिए आपस में भाईचारे की ज़रुरत है ना कि नफ़रत फैला कर उसको विभाजित करना।

सभाजीत सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा घोला जा रहा अराजकता का ज़हर नौजवानों को भ्रमित और कुठित कर नफ़रत का संदेश दिया जा रहा है जो ग़लत है।

पिहानी इंटर कॉलेज के पास सीतापुर आँखों के अस्पताल की शाखा की हुई शुरूआत

हरदोई (शाहवाज हुसैन खान)।

पिछले दिनों हरदोई कस्बा पिहानी एक इंटर कॉलेज के पास सीतापुर आँख का अस्पताल की शाखा का शुभारंभ हो गया। 60 वर्ष से अधिक आयु वाले वृद्ध या ग़रीबी रेखा वाले निर्धन व्यक्ति या फ़िर विकलांग हो ऐसा कोई भी व्यक्ति जिसकी किसी प्रकार से आंखों में कोई समस्या है तो उसकी दवाई चश्मा का सारा खर्चा समाजसेवी सर्वेश जनसेवा के द्वारा किया जायेगा। आंख की रोशनी एवं रेटीना व फंगस की जांच जिसकी कीमत मशीन द्वारा जांच लगभग 2000 रुपया होती है। वह भी समाजसेवी सर्वेश जनसेवा के माध्यम से निःशुल्क होगी। आंख की किसी भी समस्या के लिए ग़रीब मजबूर उनसे संपर्क कर सकते हैं।

सफाई अभियान पर खुली सरकार की पोल, ग्रामीणों ने स्वयं ही साफ किये गंदे नाले

हरदोई (शाहवाज हुसैन खान)।

पिछले दिनों हरदोई विकास खण्ड भरखनी ब्लॉक के ग्राम अनंगपुर में स्वच्छ भारत अभियान की ज़मीनी हकीकत कुछ और बयान कर रही है। सूत्रों के अनुसार ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी मिलकर सफ़ाई कर्मी का पैसा फर्जी तरीके से निकाल रहे है। ग्रामवासियों के अनुसार ग्राम में अभी तक कोई भी सफ़ाई कर्मी सफ़ाई करने नहीं आया, कल बारिश से गलियों में पानी भर गया, नालियां जाम होने ग्रामीण परेशां हो गए तो ग्राम वासी गौरव दीक्षित के साथ गौरव, पप्पू, बबलू, रंजीत, अकाश दीक्षित आदि ने स्वयं फावड़ा लेकर जाम हुई नालियों कि सफ़ाई शुरू कर दी। जगह–जगह गंदगी के लगे ढेर को भी साफ़ किया गया। सरकारी अधिकारीयों की उदासीनता से ग्रामीण नाराज थे उन्होंने यूपी सरकार के दावों की पोल खोलते हुए गंभीर आरोप लगाए तथा स्थानीय नेताओं को भी इसके लिए जिम्मेदार माना।

हास्य-व्यंग्य

दीपक बृजलाल धुसिया
9873967766

टोक्यो ओलम्पिक – हमारी उपलब्धि पर एक नजर

ओलंपिक 2020 का आयोजन जापान की राजधानी टोक्यो में हुआ, 2021 में होने वाले इस आयोजन को 2020 नाम इसलिए दोहराया गया क्योकि ये खेल 2020 में ही होना था, लेकिन कोरोना के खतरे को देखते हुए 2020 में इसे टाल दिया गया, और 2021 में ये खेलो का महाकुंभ हुआ।

भारत स्वयं को विश्वगुरु साबित करना चाहता है और करना भी चाहिए, लेकिन एक कहावत है कि जब मोर नाचता है ओर नाचते नाचते जब उसकी नज़र अपने पैरों पर पड़ती है तब वो मायूस हो जाता है बिल्कुल ऐसी ही स्थिति भारत की भी है, दुनिया मे विश्वगुरु कहने वाले देश मे कई वर्षो के पश्चात एक स्वर्ण पदक वो भी ऐसे खेल में जिसका नाम इस स्वर्ण पदक के आने से पहले आधे से ज्यादा लोगो ने सुना भी नही होगा, देश को गौरव का अनुभव करवाने वाले नीरज चोपड़ा को देश ने हाथों हाथ उठा लिया

देश इस बार क्या लाया पहले ये आपको बताता हूँ। भारत को इस बार 1 स्वर्ण , 2 सिल्वर और 4 कांस्य पदक मिले कुल मिला कर 7 पदक। भारत की कोई तुलना नहीं है किसी से फिर भी बता दूं, की अमरीका 39 स्वर्ण, 41 सिल्वर औऱ 33 कांस्य पदक जीते और चीन का भी जानिए 38 स्वर्ण 32 सिल्वर 18 कांस्य पदक लाया

हम एक स्वर्ण में इतने खुश हो रहे है ओर इन्हें देखिए ।।।।

अब ये जानिए की ऐसा कैसे होता है हमारे देश मे अफसरशाही ने हमे बहुत निराश किया है , खिलाड़ियों की ट्रेनिंग से लेकर चयन तक हर कदम पर खिलाड़ियों और अभिभावकों को नाकों चने चनाने पड़ते है और यही समस्या परिवार वाले नही उठा पाते

इसलिए खेलो की ओर लोग अपने बच्चों को नही ले जाते , हमारे पास प्रतिभाओं की कमी कतई नही है लेकिन किसी की व्यक्तिगत प्रतिभा उसे ओलंपिक का टिकट नही दिला सकती , प्रतिभा होने के बावजूद भी अफसरों में मेहरबानी पर सब टिका है, रातों रात हीरो बनने का सपना भी हमारे युवाओं को खेलो की ओर नही बढ़ने देता इसमें बड़ा जोखिम उठाने को तैयार हो वो सोच सकता है खेलो के बारे में

व्यक्तिगत पदक जीते हुए खिलाड़ियो को नॉकरी और पैसे दोनों ही मिले लेकिन जो पदक नही जीत पाए वे खिलाड़ी फिर अपनी प्रैक्टिस जारी करेंगे या पैसे के अभाव में खेलो को छोड़ देंगे , और हमारे खेल संघ पुनः नए खिलाड़ियो पर दांव लगाएंगे।

देश पुनः किसी रानू मंडल और सहदेव के बसपन के प्यार को रातों रात आसमान पर बैठा देगा।

सदस्यता हेतु फार्म

मैं/हम एनसीआर समाचार की सदस्यता लेने के इच्छुक है।

सदस्यता के प्रकार	देय राशि	निशान लगायें
संरक्षक सदस्य	21000/- रु.	
आजीवन सदस्य	11000/- रु.	
पंचवर्षीय सदस्य	2100/- रु.	
दो वर्षीय सदस्य	1100/- रु.	
एक वर्षीय सदस्य	500/- रु.	

समाचार पत्र मंगवाने का पता
नाम..
पता..
फोन..
ई-मेल..

आप समाचार पत्र के सदस्य बनने हेतु शुल्क का भुगतान नकद, चैक या डिमाण्ड ड्राफ्ट द्वारा हमारे कार्यालय में जमा करवा सकते हैं।

कार्यालय : जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062
मोबाइल न.: 8888883968, 9811111715
वैबसाईट : www.ncrsamacharlive.in

लोकमंगल

नीरज कुमार दूबे

पूरी क्रूरता के साथ तालिबान का बढ़ता विजय रथ और बड़े देशों की चुप्पी

अंतरराष्ट्रीय इतिहास में अमेरिका का नाम इस बात के लिए दर्ज रहेगा कि कैसे उसने लाखों अफगानिस्तानियों को मौत के मुँह में धकेल दिया। तालिबान ने जब अमेरिका पर हमला किया तो दर्द समझ आया था लेकिन वही तालिबान जब निर्दोष अफगानियों का जीवन दुश्वार बना रहा है, तो अमेरिका को रत्ती भर भी परवाह नहीं दिख रही। यह सही है कि अमेरिका पहले अपने हित की सोचे और उसे अफगानिस्तान से जाने से कोई रोक भी नहीं सकता लेकिन खुद को दुनिया का बॉस समझने वाले अमेरिका को कुछ जिम्मेदारी भरा रवैया तो दिखाना ही चाहिए। यदि अफगानिस्तान से उसे अपने सैनिकों को निकालना भी था तो कोई रणनीति बनाकर निकाल सकता था ताकि अफगानिस्तान में लोकतंत्र बना रहे और क्षेत्रीय शांति ना बिगड़े। लेकिन उसने ऐसा नहीं किया और अब अफगानिस्तान की जनता तो परेशानी में है ही आसपास के देशों खासकर भारत की चिंता भी बढ़ गयी है। अब अमेरिका और ब्रिटेन वहां अपने कुछ और सैनिकों को भेज रहे हैं मगर वह सिर्फ इसलिए ताकि अपने लोगों को वहां से सुरक्षित निकाल सकें।

सबसे बड़ा दोष तो इस समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का नजर आ रहा है जो बस चुपचाप अफगानियों पर तालिबान के कसते शिकंजे को देख रहा है। अगले महीने जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का वार्षिक सत्र होगा तो उसमें क्या उपलब्धियां बताई जाएंगी यही कि संयुक्त राष्ट्र सबकुछ जानते हुए भी ना तो कोरोना वायरस फैलाने के लिए चीन का नाम ले पाया और ना ही अफगानिस्तान के हालात नियंत्रण रखने के लिए कुछ कर पाया। भंग कर देना चाहिए ऐसी नौटंकी व्यवस्था को जो सिर्फ बैठकों में बड़ी–बड़ी बातें करने के लिए बनायी गयी है। अफगानिस्तान के हालात पर चर्चा करें तो इस समय तालिबानी उग्रवादी बड़े–बड़े हथियारों के साथ इलाकों पर कब्जा करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। आगे बढ़ने की इस यात्रा के दौरान वह स्कूलों को ध्वस्त करते जा रहे हैं, महिलाओं को कब्जे में लेते जा रहे हैं, सरकारी सुरक्षा बलों के हथियारों और वाहनों को कब्जे में लेते जा रहे हैं। इस समय काबुल की सड़कों और पार्कों में परिवार के परिवार खुले आसमान के नीचे पड़े हुए हैं क्योंकि यही अभी सुरक्षित शहर बचा है लेकिन तालिबान बस यहाँ भी पहुँचने ही वाला है और राजधानी में बैठी अफगान सरकार खुद भागने की तैयारी में है। सोचिये जब ऐसा होगा तब क्या होगा बेचारे अफगान नागरिकों का। इन बेचारों का जो भी हो लेकिन आप देखियेगा कैसे अफगान नागरिकों को इस हाल में पहुँचाने वाले लोग जल्द ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठकों में महिलाओं के सशक्तिकरण संबंधी विषय पर बड़े–बड़े भाषण देंगे।

ताजा रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान ने अफगानिस्तान की एक और प्रांतीय राजधानी पर कब्जा कर लिया है। हम आपको बता दें कि अफगानिस्तान की 34 प्रांतीय राजधानियों में से कंधार ऐसी 12वीं राजधानी है जिस पर अब उग्रवादियों का कब्जा हो गया है। कंधार पर तालिबानियों का कब्जा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अफगानिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। अधिकारियों ने बताया है कि कंधार पर तालिबान ने बृहस्पतिवार रात को कब्जा कर लिया और सरकारी अधिकारी तथा उनके परिजन भाग कर किसी तरह हवाई अड्डे पहुँचे। इससे पहले, बृहस्पतिवार को दिन में ही तालिबान ने अफगानिस्तान के तीसरे सबसे बड़े शहर हेरात पर कब्जा कर लिया था। तालिबान के लड़ाके ऐतिहासिक शहर में ग्रेट मस्जिद से आगे बढ़ गए और सरकारी इमारतों पर कब्जा कर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक सरकारी इमारत से रूक–रूक कर गोलीबारी की आवाज आ रही थी जबकि बाकी के शहर में शांति थी और वहां पर तालिबान का कब्जा हो चुका था। गजनी पर तालिबान के कब्जे से अफगानिस्तान की राजधानी को देश के दक्षिण प्रांतों से जोड़ने वाला अहम राजमार्ग कट गया है। देखा जाये तो अब अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर सीधा खतरा मंडरा रहा है क्योंकि तालिबान उसके एकदम निकट पहुँच चुका है। यही नहीं गजनी के तालिबान के हाथों में जाने से यहां अब सरकारी बलों की आवाजाही में मुश्किलें आएंगी क्योंकि यह काबुल–कंधार राजमार्ग पर है। एक तरफ काबुल पर सीधा खतरा है, वहीं तालिबान की देश के करीब दो तिहाई हिस्से पर पकड़ मजबूत होती दिख रही है। अमेरिकी सेना का ताजा सैन्य खुफिया आकलन बताता है कि काबुल 30 दिन के अंदर चरमपंथियों के दबाव में आ सकता है और मौजूदा स्थिति बनी रही तो कुछ ही महीनों में पूरे देश पर नियंत्रण हासिल कर सकता है। इस बीच अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा कई क्षेत्रों में कब्जा करने के बीच भारत ने कहा है कि अफगानिस्तान की स्थिति चिंता का विषय है और वह वहां समग्र एवं तत्काल संघर्ष विराम की उम्मीद करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''हम अफगानिस्तान में सभी पक्षकारों से सम्पर्क में है और इस युद्धग्रस्त देश में जमीनी स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत दोहा में अफगानिस्तान के मुद्दे पर क्षेत्रीय सम्मेलन में कतर के निमंत्रण पर हिस्सा ले रहा है। उधर, अमेरिकी सैन्य नेतृत्व ने जितना सोचा होगा उससे भी कहीं अधिक तेजी से अफगानिस्तान सरकार की सेना युद्धग्रस्त देश में तालिबान के सामने पस्त हो रही है। लेकिन व्हाइट हाउस, पेंटागन या अमेरिकी जनता के बीच इसे रोकने का उत्साह कम ही नजर आ रहा है और अब शायद कुछ करने के लिए बहुत देर भी हो चुकी है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा अफगानिस्तान से अपने सैनिकों की पूर्ण वापसी की घोषणा किए जाने के बाद से युद्धग्रस्त देश में हर रोज हालात खराब होते जा रहे हैं। बाइडन ने स्पष्ट कर दिया है कि निर्णय को पलटने का उनका कोई इरादा नहीं है। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि अफगानिस्तान के पास अब भी खुद को अंतिम हार से बचाने का समय है। बाइडन ने भी पत्रकारों से कहा कि अमेरिकी सैनिकों ने पिछले 20 वर्षों में अफगानिस्तान की सहायता के लिए वह सब कुछ किया है जो वे कर सकते थे। उन्होंने कहा, ''उन्हें (अफगान लोगों) अपने लिए, अपने देश के लिए लड़ना होगा।'' दूसरी ओर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अमेरिका पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि वह पाकिस्तान को केवल उस ''गड़बड़ी'' से निपटने के लिए ''उपयोगी'' समझता है जो उसने 20 साल की लड़ाई के बाद अफगानिस्तान में पीछे छोड़ी है और जब ''रणनीतिक साझेदारी'' बनाने की बात आती है, तो वह भारत को प्राथमिकता देता है। दरअसल, पाकिस्तान इस बात से नाराज है कि बाइडन ने जनवरी में राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद से प्रधानमंत्री खान से बातचीत नहीं की है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ ने हाल में इस बात पर निराशा व्यक्त की थी कि अफगानिस्तान जैसे कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर इस्लामाबाद को महत्वपूर्ण देश मानने के बावजूद प्रधानमंत्री इमरान खान से संपर्क करने को लेकर राष्ट्रपति बाइडन अनिच्छुक हैं। मोईद युसूफ ने कहा था कि अगर अमेरिकी नेता देश के नेतृत्व की अनदेखी करते रहे, तो इस्लामाबाद के पास अन्य ''विकल्प'' हैं। दूसरी ओर, ऐसे में जब तालिबान ने अफगानिस्तान के क्षेत्रों पर तेजी से नियंत्रण हासिल कर रहा है कई अफगान नागरिक विद्रोहियों की सफलता के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराते हैं और कई तरीकों से पाकिस्तानी क्षेत्र के उपयोग की ओर इशारा करते हैं। इस्लामाबाद पर इसके लिए दबाव बढ़ रहा है कि वह तालिबान को वार्ता की मेज पर लाये। पाकिस्तान ही शुरू में तालिबान को बातचीत की मेज पर लाया था। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान के लाभ को अक्सर बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जाता है। हालांकि पाकिस्तान तालिबान के नेतृत्व को अपने क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति देता है और उसके घायल लड़ाकों का इलाज पाकिस्तानी अस्पतालों में होता है। बहरहाल, अफगानिस्तान पर तालिबान के हो चुके दो–तिहाई कब्जे के बीच दुनिया को चाहिए कि वह अफगानियों को बचाने के लिए एकजुट हो। मानव अधिकारों पर बड़े–बड़े सम्मेलनों में बोलने भर से कुछ नहीं होगा, मानवता को बचाने के लिए और लोगों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए हम सभी को जिम्मेदारी निभानी पड़ेगी।

पृष्ठ छह का शेष....

राशिफल....

दिखाई दें। इस सप्ताह किसी रिश्तेदार के द्वारा कोई मांगलिक आयोजन, आपके परिवार के ध्यान का मुख्य केन्द्र होगा। उपाय– कुंवारी कन्याओं को हरी चूड़ी दान करें व भगवान शिव को जल अर्पित अवश्य करें।

कर्क राशि इस सप्ताह आपकी सेहत सामान्य से काफी अच्छी दिखाई देगी। जिसके कारण आप घर पर परिवार के सदस्यों के साथ, कुछ रचनात्मक करने के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करते दिखाई देंगे, जिसमें आपको सफलता की प्राप्ति भी हो सकेगी। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना, आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। क्योंकि संभव है कि वो आपसे किसी प्रकार की आर्थिक मदद की उम्मीद करें। घर के बच्चों के साथ पूर्व की किसी बात को लेकर चल रही अनबन, आप इस सप्ताह दूर करने में सफल रहेंगे। इसके चलते आप उन्हें किसी पिकनिक या बाहर घुमाने ले जाने का, प्लान करते भी दिखाई देंगे। आपके इस प्रयास को देख घर के अन्य बड़े सदस्यों को अच्छा लगेगा। ये सप्ताह आपके करियर में वृद्धि लेकर आएगा, लेकिन आपको इस बात का ख़ास ख्याल रखने की सलाह दी जाती है कि इस दौरान आप जो भी काम करें, उसे अच्छी तरह से देख–समझ लें। उपाय– भगवान शिव का दुग्ध अभिषेक अवश्य करें व बेल पत्र अवश्य चढ़ाएं।

सिंह राशि इस समय आपको अपने घर के किसी सदस्य की बिगड़ती तबियत में सुधार देखकर, खुद भी मानसिक तनाव से मुक्ति मिल सकेगी। ऐसे में खुद को सेहतमंद रखें के लिए, जितना संभव हो उनकी देखभाल करें और उनके साथ मिलकर नियमित रूप से योगाभ्यास करें। इस सप्ताह आपके आर्थिक जीवन की स्थिति अच्छी नहीं कही जा सकती, इस पूरे ही हफ्ते आपको धन से जुड़ी बहुत–सी मुश्किलों का सामना करना होगा। साथ ही आप इस दौरान बचत करने में भी असमर्थ होंगे, जिससे मानसिक तनाव में वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर किसी कार्य को करते समय, आपसे कोई भूल या चूक हो जाए तो, उसे स्वीकार करना आपके बड़पन्न को दर्शाएगा। क्योंकि इस समय दफ़्तर में अपनी ग़लती स्वीकार करना, आपके पक्ष में जा सकता है। लेकिन आपको इसे सुधारने के लिए, तुरंत विश्लेषण की भी ज़रूरत रहने वाली है। उपाय– भगवान सूर्य के निमित्त आदित्य ह्रदय स्तोत्र का पाठ करें बंदरों को गुड़ चना खिलाएं।

कन्या राशि मास, मदिरा, आदि का सेवन करना, इस सप्ताह आपकी राशि में शुक्र ग्रह का हस्त नक्षत्र का नीच का होने से आपको अपने जीवन में काफी उतल पुथल दिखाई देगी व आपके स्वास्थ्य जीवन के लिए प्रतिकूल साबित हो सकता है। क्योंकि इससे आपको पेट से जुड़ी कई बीमारियाँ होना का खतरा रहेगा। इस दौरान आपके विचारों और विमर्शों को भी घर के बड़ों द्वारा, ज़रूरी महत्व प्राप्त होगा। इस सप्ताह आप कोई ऐसी नई किताब खरीद सकते है, जो आपके पास पहले से ही उपलब्ध होगी, इससे आप अपने धन को बर्बाद करेंगे। ऐसे में शिक्षा से संबंधित कुछ भी सामग्री ख़रीदने से पहले, अपने पास मौजूद हर चीज़ की जांच अच्छी तरह से करें। उपाय– इस सप्ताह कोशिश करें कि अपने घर से कोई भी वस्तु दान करें। भगवान गणेश की नित्य पूजा करें।

तुला राशि ये सप्ताह आपकी सेहत के लिहाज़ से, सामान्य ही रहने वाला है। जिससे आपके स्वभाव में भी सकारात्मक बदलाव दिखाई देंगे, और आप अपने करीबी, दोस्तों और घर के लोगों के साथ अच्छा समय बीतने के लिए, उनके साथ किसी छोटी दूरी की यात्रा पर जाने का प्लान कर सकते हैं। इस यात्रा से आपके हवा–पानी में तो अच्छा बदलाव आएगा ही, साथ ही आप खुद को तरोताज़ा भी रखने में सफल होंगे। आपको अपने मानसिक तनाव में बढ़ोतरी से दो–चार होना पड़ेगा। आशंका है कि आपके सहकर्मी आपके काम और आपकी तरक्की देख, आप से ईर्ष्या कर सकते हैं। उपाय– इष्ट देवी की पूजा करें व अपने मंदिर में घी का दीपक अवश्य जलाएं।

वृश्चिक राशि इस समय आपके द्वारा खेल–कूद जैसी गतिविधियों में भाग लेना, आपको सेहतमंद रखने में मददगार सिद्ध होगा। हालांकि खेलते समय, आपको हर संक्रमण से बचाव के लिये पहने जाने वाले हर सामान को पहनना भी आवश्यक होगा। ये सप्ताह किसी भी तरह के छोटे रियल एस्टेट और वित्तीय लेन–देन के लिए, बेहद शुभ है। हालांकि किसी भी तरह के बड़े निवेश को करने से अभी बचें। घर पर किसी अनचाहे मेहमान के आने से, छात्रों का पूरा सप्ताह बेकार गुज़रने की आशंका है। ऐसे में अगर संभव हो तो किसी दोस्त के घर जाकर पढ़ाई करें, अन्यथा इसका ख़ामियाज़ा आपको आने वाली परीक्षा में उठाना पड़ेगा। उपाय– सुंदरकांड का पाठ करें गरीबों को भोजन कराएं।

धनु राशि इस सप्ताह नियमित व्यायाम ही, आपको दुरुस्त रखने में अहम भूमिका निभाएगा। इस दौरान आपके स्वास्थ्य में, कई अच्छे परिवर्तन आने के पूरे योग बनते दिखाई दे रहे हैं। खासतौर से उन लोगों के लिए समय विशेष अच्छा होगा, जिन्हे मोटापे की समस्या है। क्योंकि उन लोगों को इस समय अपनी कुछ परेशानियों से हमेशा–हमेशा के लिए निजात मिल सकेगी। विदेश यात्रा पर जाने के, कई शुभ मौके मिलेंगे। जिससे आप कुछ नया सीखते हुए, अपने विकास के लिए कई उचित स्रोत स्थापित कर सकेंगे। इस राशि के वो सभी छात्र जो विदेश जाने की सोच रहे है उन विद्यार्थियों को, इस सप्ताह के मध्य में कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। हालांकि इसके लिए आपको खुद को, अपने लक्ष्य की ओर ही केंद्रित करने की ज़रूरत होगी। उपाय– भगवान विष्णु की पूजा करें व विष्णु सहस्रनाम का पाठ घर में अवश्य कराएं।

मकर राशि पूर्व के हफ्ते में अपच, जोड़ों के दर्द, सिर दर्द जैसी समस्याओं को लेकर, जो जातक अब तक कोताही बरत रहे थे, वो इस सप्ताह स्वस्थ जीवन की अहमियत को समझते हुए, उसमें सुधार के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। आपके ये प्रयास से आस–पास के लोग आपसे खुद होंगे, साथ ही वो आपका प्रोत्साहन भी बढ़ा सकते हैं। नौकरी पेशा जातकों को इस सप्ताह पैसों की सबसे अधिक आवश्यकता पड़ेगी। यदि इस सप्ताह आपको कोई बड़ा निर्णय लेना है तो, किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय ज़रूर लें। आपका अपना फ़ैसला, कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है।उपाय– लोहा दान करें व घोड़े की नाल का छल्ला धारण करें।

कुंभ राशि आपके स्वास्थ्य जीवन के लिए, ये सप्ताह अनुकूल दिखाई दे रहा है। क्योंकि इस समय आपको कोई बड़ी बीमारी नहीं होने की संभावना अधिक है, इसलिए बेहतर स्वास्थ्य का आनंद लें और नियमित रूप से विटामिन–सी युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। इस सप्ताह छात्रों को ऐसी हर गतिविधियों में खुद को संलिप्त नहीं करने से बचना होगा, जो उनका ध्यान भटका सकती हैं। इसलिए केवल उन्हीं लोगों से मेल–मिलाप बढ़ाए, जो पढ़ाई–लिखाई में अच्छे हो, ताकि ज़रूरत पढ़ने पर आप उनकी मदद ले सकें। उपाय– महामृत्युंजय के मंत्र का जाप करें व शिवलिंग के ऊपर जल अर्पित अवश्य करें।

मीन राशि इस सप्ताह यूँ तो आपकी सेहत में सुधार, साफ़ दिखाई देगा। परंतु बावजूद इसके आपको इस दौरान, हर प्रकार की लंबी दूरी की यात्रायें करने से परहेज करना होगा और यदि कोई यात्रा ज़रूरी हो तो, अपनी मेडिकल जांच करवाने के बाद ही किसी भी यात्रा पर जाएं। धन से संबंधी मामलों में आपको, लगातार अपनी पैनी नजर बनाये रखनी होगी। ये सप्ताह यूँ तो, आपके पारिवारिक जीवन में शांति लेकर आएगा। सावधानी बरतते हुए, कुछ भी ऐसा न करें, जिससे घर का नुकसान हो। उपाय– किसी धार्मिक कार्य में आप अपना योगदान अवश्य दें व गरीबों की सेवा करें।

एडवोकेट महेन्द्र चौधरी ने किया उद्घाटन

कोटपुतली (प्रमोद कुमार बंसल)। पिछले दिनों कोटपुतली स्थानीय नगरपालिका के सामने आई एफ एल गोल्ड कंपनी का पूर्व चेयरमैन एडवोकेट महेंद्र सैनी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर कंपनी के शाखा प्रबंधक गौरव शर्मा ने बताया कि अतिथियों का माला व साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक रोहिताश चौधरी अभिषेक जैन, मनीष टांक मार्केटिंग मैनेजर प्रमोद कुमार, एलआईसी विभाग इसाक मोहम्मद खान,

जितेंद्र चौधरी, कैलाश शर्मा, किशन मीणा, पवन सैनी एवं मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व पालिका अध्यक्ष एडवोकेट महेंद्र सैनी रहे जिन्होंने फीता काटकर कंपनी का उद्घाटन किया।

योगी आदित्यनाथ ने जनता दरबार में सुनी लोगों की शिकायतें व संबंधित अधिकारियों को दिये दिशा निर्देश

कोरोना महामारी के चलते जनता दरबार काफी समय से बंद था

लखनऊ (नदीम अहमद)। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर जनता दरबार का आयोजन किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान आम जनता की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को जनता की समस्याओं को सुलझाने के लिए दिशा निर्देश जारी किए।

योगी आदित्यनाथ जब से राज्य के मुख्यमंत्री बने है। तब से उन्होंने जनता दरबार शुरू किया है, इस दौरान मुख्यमंत्री आम आदमी से सीधा संवाद करते है। तथा उसका निवारण करते है।

जनता दरबार में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी फरियाद लेकर मुख्यमंत्री के पास पहुंचे। कोरोना महामारी की वजह से कुछ समय के लिए जनता दरबार को बंद कर दिया गया था। हाल ही में मुख्यमंत्री के निर्देश पर जनता दरबार को फिर से आम जनता के लिए खोल दिया गया।

आप को बता दें की उत्तर प्रदेश में छः महीने के बाद विधानसभा चुनाव होने वाले है। ऐसे मुख्यमंत्री आम जनता की समस्याओं को ज्यादा से ज्यादा सुनकर उनका निवारण कर रहें है। जिससे कि आम जनता को खुश किया जा सके और विधानसभा चुनाव में इसका लाभ मिल सके।

कपड़ों का लालच देकर किशोरी के साथ कर रहा था छेड़खानी, पुलिस ने किया मामला दर्ज

भोपाल (सईद फराज अली)। पिछले दिनों भोपाल के कोतवाली इलाके में स्कार्फ खरीदने आई 10 साल की बच्ची के साथ व्यापारी ने छेड़छाड़ कर रहा था। आरोपी उसे झांसा देकर पहले दुकान के अंदर बुलाया इसके बाद शटर बंद कर उसके साथ गलत हरकत करने लगा। बच्ची की चीख सुनकर गश्त कर रही पुलिस ने दुकान खुलवाकर आरोपी के चंगुल से बच्ची को छुड़ाया। घटना पिछले मंगलवार रात करीब 11 बजे की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है ।

सूत्रों के अनुसार 10 वर्षीय बच्ची कोहेफिजा इलाके में अपनी नानी के पास रहती है। उसके पिता का निधन हो चुका है। मां अलग रह रही है। मंगलवार रात बच्ची नदीम रोड में स्कार्फ खरीदने आई हुई थी। जहां, खानूगांव निवासी 30 वर्षीय मंसूर की दुकान में वह स्कार्फ खरीदने पहुंची। मंसूर उसे स्कार्फ दिखाने के बहाने दुकान के अंदर बुला लिया। दुकान के अंदर जाते ही आरोपी ने शटर बंद कर लिया। इसके बाद बच्ची के साथ उसने छेड़छाड़ शुरू कर दी। बच्ची के शोर मचाने पर गश्त कर रही पुलिस ने दुकान खुलवाकर आरोपी को हिरासत में लिया। बच्ची ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसे स्कार्फ देने का झांसा देकर छेड़छाड़ कर रहा था। पुलिस की टीम रात करीब 11 बजे चौक बाजार व उसके आसपास के इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस की टीम को नदीम रोड स्थित एक दुकान की लाइट जलती मिली। दुकान बाहर से बंद थी, लेकिन अंदर लाइट जल रही थी। संदेह होने पर पुलिस दुकान के पास पहुंची। जहां, बच्ची का शोर सुनाई पड़ा। पुलिसकर्मियों ने तुरंत ही दुकान खुलवाया। पुलिस ने देखा कि अंदर एक युवक के साथ किशोरी भी है।

कोतवाली टीआई शाहनवाज खान ने बताया कि बच्ची ने अपने बयान में छेड़छाड़ का ही जिक्र किया है। बच्ची के बयान के अनुसार ही आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़, पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध कायम किया गया है।

संगम विहार में बिजली के तारों में आग से सहमें लोग, शिकायत के बावजूद नहीं पहुंचे बिजली कर्मी

नई दिल्ली (एनसीआर समाचार)। पिछले दिनों लगातार दिल्ली का बिजली विभाग सुर्ख़ियों में रहता है, कभी बिजली मुफ्त देने के कारण या कभी बिजली पूरी मात्रा में ना मिलने के कारण। दिल्ली के संगम विहार क्षेत्र में लगभग पांच बजे करीब धमाके की आवाज सुनकर सभी लोग डर गए।

सूत्रों के अनुसार पांच मिनट बाद जनता को पता चला कि बिजली खम्बे में जोरो की आग लग रही है। लोग तरह–तरह की बाते कर उस आग को बुझाने की बात करने लगे। लम्बा समय बीत जाने के बाद भी वहां कोई बिजली कर्मचारी नहीं आया और आग अपनी रफ़्तार बढ़ाने लगी।

जनता में डर बढ़ने लगा था की कहीं आग हमारे घर तक न आ जाए। बिजली के तार हर घर के सामने और घर से चिपक कर जा रहे है जिसके कारण जनता में डर का माहौल बन गया। हालांकि लम्बे समय से बिजली कटी हुई है और जनता अंधेरे में रहने को मजबूर है। लेकिन कोई कर्मचारी बिजली ठीक करने नहीं पहुंचा।

आपको बता दें की संगम विहार इलाके में अक्सर बिजली के तारों में आग लगती रहती है। लेकिन इस संबंध बिजली विभाग ठोस कदम न उठाकर किसी बड़ी अनहोनी को अंजाम दे सकता है। फिलहाल तो संगम विहार की सड़क, पानी और बिजली के तार तीनों जर्जर हाल में है।

कानुपर शहर को मिलने जा रही है 50 इलेक्ट्रिक बसें, यात्रा में सुगमता के साथ मिलेगी प्रदूषण से मुक्ति

कानपुर (नदीम अहमद)। पिछले दिनों कानपुर नगर में अगले महीने के दूसरे सप्ताह तक 50 नई इलेक्ट्रिक बस प्राप्त होने वाली है। ऐसे में कानपुर नगर निगम अपनी तैयारी तेज़ गति से कर रहा है। बसों को रात्रि ठहराव के लिया डिपो का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है।

इलेक्ट्रिक सिटी बसें वायु प्रदूषण को काफी हद तक कम कर देती है। इलेक्ट्रिक बसें यात्रा को सुविधाजनक और आरामदायक बनाने में मदद करेंगी। आपको बता दें की यूपी के अलग अलग शहरो में इलेक्ट्रिक बसों को चलाने की योजना है। जिससे की राज्य में शहरों के अंदर यात्रा सुगम हो सकें तथा वायु प्रदूषण को भी नियंत्रित किया जा सके।

जानकारी के लिए बता दें कि इलेक्ट्रिक बसों से न केवल कम लागत लगती है बल्कि पर्यावरण को भी काफी हद तक बचाया जा सकता है।

इस समय देश की अलग–अलग राज्यों की सरकारें इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदने पर सब्सिडी भी मुहैया कर रही हैं। जिससे पर्यावरण को बचाने में मदद मिल सके।

मुकदमें से नाम हटाने के एवज में एएसआई 15000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

नीमकाथाना (मनीष अग्रवाल)। पिछले दिनों नीमकाथाना थाने के एएसआई भंवरलाल को एसीबी ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। उन्हें 15000 रुपए की घूस लेते हुए एसीबी ने रंगेहाथों गिरफ्तार किया है। एएसआई भंवरलाल ने आरोपी से किसी मुकदमे से उसका नाम हटाने की एवज में 15 हजार की घुस की मांग की गई थी।

परेशान होकर जिसकी शिकायत एसीबी से की गई। जिसके बाद से परेशान शिकायतकर्ता के साथ एसीबी ने तय रणनीति के अनुसार कारवाई को अंजाम दिया। आपको बता दें की घूस की रकम मांगे जाने से शिकायतकर्ता परेशान था।

शिकायतकर्ता ने एसीबी को घूस मांगे जाने की शिकायत की जिसके बाद से एसीबी ने एएसआई को रंगे हाथो गिरफ्तार करने का प्लान बनया। आपको बता दें कि काफी समय से एसीबी को लगातार पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार की शिकायत मिल रही थी। एसीबी डीएसपी जाकिर अख्तर और उनकी टीम ने इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीबी के अधिकारियों ने कहा है की एएसआई के विरुद्ध उचित कारवाई की जाएगी। उन्होंने ये भी कहा की भ्रष्टाचार के खिलाफ आगे भी कारवाई तेज़ गति से जारी रहेगी।

गैंगरेप पीड़िता की पहचान उजागर करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज

दिल्ली कैंट गैंगरेप प्रकरण

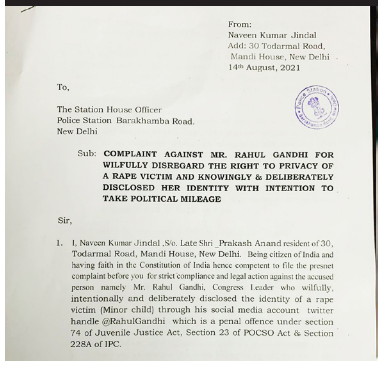
From:
Naveen Kumar Jindal
Add: 30 Todarmal Road,
Mandi House, New Delhi
14th August, 2021

To,

The Station House Officer
Police Station Barakhamba Road.
New Delhi

Sub: COMPLAINT AGAINST MR. RAHUL GANDHI FOR WILFULLY DISREGARD THE RIGHT TO PRIVACY OF A RAPE VICTIM AND KNOWINGLY & DELIBERATELY DISCLOSED HER IDENTITY WITH INTENTION TO TAKE POLITICAL MILEAGE

Sir,

1. I, Naveen Kumar Jindal ,S/o. Late Shri _Prakash Anand resident of 30, Todarmal Road, Mandi House, New Delhi. Being citizen of India and having faith in the Constitution of India hence competent to file the presnet complaint before you for strict compliance and legal action against the accused person namely Mr. Rahul Gandhi, Congress Leader who wilfully, intentionally and deliberately disclosed the identity of a rape victim (Minor child) through his social media account twitter handle @RahulGandhi which is a penal offence under section 74 of Juvenile Justice Act, Section 23 of POCSO Act & Section 228A of IPC.

नई दिल्ली (नदीम अहमद)।

पिछले दिनों दिल्ली कैंट के नांगल गांव में दलित बच्ची के साथ गैंगरेप और मर्डर के मामले में एक टवीट को लेकर राहुल गाँधी के खिलाफ यह शिकायत दर्ज करवाई गई है। यह शिकायत बीजेपी प्रवक्ता नवीन कुमार ने नई दिल्ली के बाराखंबा पुलिस स्टेशन पर दर्ज करवाई है। नवीन ने अपनी शिकायत में कहा है कि राहुल गांधी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज करना चाहिए।

शिकायतकर्ता ने यह भी कहा की राहुल गाँधी ने पॉक्सो की धाराओं का उलंघन किया है। राहुल गाँधी ने बच्ची के परिवार वालों से मुलाकात की थी मुलाकात की तस्वीर उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की थी। जिसके बाद हंगामा मच गया था। माइक्रो ब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर ने तस्वीर साझा करने को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की थी।

कई दिनों राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं के ट्विटर अकाउंट्स को लॉक कर दिया गया था. साथ ही कांग्रेस पार्टी के अकाउंट पर भी ताला लगा दिया गया था। हालांकि शनिवार को ट्विटर ने राहुल गाँधी समेत सभी अकाउंट को बहाल कर दिया था।

इस मामले पर ट्वीटर ने कहा की भारतीय कानून के तहत पीड़िता की निजता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ये कदम उठाया गया है। राहुल गाँधी ने ट्वीटर अकाउंट बंद होने पर ट्वीटर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया, उन्होंने कहा की ट्वीटर जनता की आवाज दबाना चाहती है। ये लोकतंत्र के खिलाफ है।

मयूर विहार में छह वर्षीय बालिका के साथ हैवानियत, हालत गंभीर

अस्पताल पहुँचे आप विधायक पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (नदीम अहमद)।

पिछले दिनों पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार इलाके में एक छः साल की बच्ची के साथ हैवानियत का मामला सामने आया है। पड़ोस का एक 30 वर्षीय युवक बच्ची को बहला फुसला कर एक कमरे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने किसी को कुछ बताने पर जान से मरने की धमकी दी। इस पूरे मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया हैं। देर शाम जब बच्ची की तबियत बिगड़ी तो परिवार को पता चला। परिवार ने बच्ची को तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां बच्ची की हालत गंभीर बनी हुई है।

परिजनों का आरोप यह है की पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया है। परिवार का यह भी आरोप है की पुलिस ने वक्त रहते कार्रवाई नहीं की।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सूचना मिलने के बाद फौरन इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और इस मामले में कोई लापरवाही नहीं बरती गई। वहीं खबर मिलने के बाद कोंडली से आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप कुमार भी अस्पताल पहुंचे।

उन्होंने पुलिस पर परिवार को बंधक बनाने का आरोप लगाया। विधायक ने कहा कि दिल्ली कैंट के बाद अब पूर्वी दिल्ली में मासूम को निशाना बनाया गया है।

आपको बता दें की हाल ही में दिल्ली कैंट के नांगल गांव में एक 9 साल की बच्ची के साथ श्मशान के अंदर दुष्कर्म किया गया और जब बच्ची की मौत हो गई तो बिना परिजन के बताये उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस पूरे मामले की जाँच की जा रही है। दिल्ली पुलिस का ये भी कहना है की आरोपियों को सख्त सजा दी जाएगी।

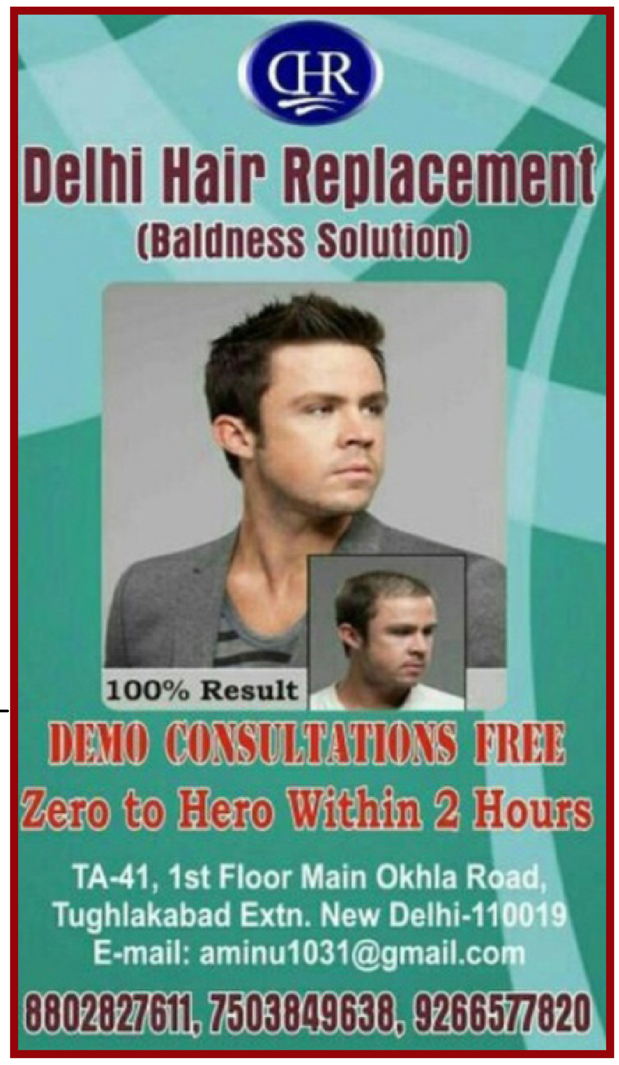

पार्षद गये थे जनता में अपने द्वारा किये गये काम गिनवाने, लोगों ने पूछ डाले तीखे सवाल

नई दिल्ली (एनसीआर समाचार)।

पिछले दिनों संगम विहार 83 S के पार्षद जितेंद्र सिंह जीतू गलियों में तेज़ गति से निर्माण कार्य करवा रहें है। उनके काम से स्थानीय लोग खुश जरूर है लेकिन आम जनता की समस्या भी बहुत है। ऐसे में एक ओर जहां लोग खुश है तो वही लोगों की शिकायतें भी है। 16 नंबर क्षेत्र में एक गली में नाली और सड़क का निर्माण जितेंद्र सिंह जीतू के द्वारा करवाया जा रहा है।

इस दौरान स्थानीय लोगों ने इसके लिए पार्षद जितेंद्र सिंह जीतू का लोगों ने धन्यवाद दिया और सरकार के द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की तो वहीं कुछ लोगों ने पार्षद से तीखे सवाल भी पूछें। कुछ स्थानीय लोगों को पानी की शिकायत थी उन्होंने पार्षद से पूछा की हमारे क्षेत्र में सोनिया विहार का पानी क्यों नहीं आता है ? इस सवाल का विधान पार्षद जितेंद्र सिंह ने देते हुए कहा की पानी की समस्या संगम विहार में गंभीर है और आम आदमी पार्टी की सरकार हर सम्भव इस समस्या को ख़त्म करने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने ये भी बताया की बहुत सारी गलियों में पानी का पाइप पहुंचा दिया गया है वही जिन गलियों में अब तक पानी का पाइप नहीं पहुंचा है, उन गलियों में जल्द से जल्द पानी का पाइप पहुंचा दिया जायेगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DELHIN/2010/37009 संपादक मो. हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स-WA30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोन: 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।